द वुमन न्यूज

खबर वही सोच नई

॥वर्षः 04 ॥ अंकः 356 ॥ पृष्ठ :08 ॥ मूल्यः1 रुपए ॥ गौतमबुद्ध नगर ॥ सोमवार 26 मई, 2025 ॥

मन की बात : ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ भारत की निर्णायक कार्रवाई

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम में 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए कहा कि भारतीय सेनाओं ने सीमा पार आतंकवादी ठिकानों पर सटीक कार्रवाई कर हर भारतीय को गौरव से भर दिया है। यह सिर्फ एक सैन्य मिशन नहीं, बल्कि बदलते भारत की ताकत, संकल्प और 'आत्मनिर्भर भारत' की तस्वीर भी है। प्रधानमंत्री ने माओवादी क्षेत्र में हो रहे विकास और अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर भी अपने मन की बात रखी। उन्होंने बताया कि वह इस बार विशाखापट्टनम में योग दिवस से जुड़े मुख्य आयोजन में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' के 122वें एपिसोड की शुरुआत ऑपरेशन सिंदूर से करते हुए मिशन में उपयोग में लाई गई देश की तकनीकी ताकत और धरेलू निर्माण क्षमताओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि पूरे देश में इसे लेकर जोश देखा गया-तिरंगा यात्राएं, कविताएं, चित्रकला और नवजात शिशुओं को 'सिंदूर' नाम देने की परंपरा तक शुरू हो गई। प्रधानमंत्री ने माओवादी क्षेत्र में विकास की नई बयार का उल्लेख किया और कुछ उदाहरण दिए। उन्होंने कहा कि माओवादी क्षेत्रों में सामान्य जीवन और विकास का यह नया अध्याय समाज के साहसिक योगदान से संभव हुआ। उन्होंने महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले के काटेझरी गांव का उदाहरण दिया, जहां पहली बार बस सेवा शुरू हुई। यह माओवादी हिंसा से मुक्त सामान्य जीवन की ओर बढ़ते गांवों का प्रतीक है। इसी तरह, छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में शैक्षिक सफलता और खेल व विज्ञान के क्षेत्र में बच्चों की भागीदारी ने साबित किया कि परिवर्तन संभव है। प्रधानमंत्री ने जानकारी दी कि इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से जुड़ा मुख्य आयोजन विशाखापट्टनम में होगा, जिसमें वे स्वयं भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि 'योग' सिर्फ 'हेल्दी लाइफस्टाइल' नहीं, बल्कि 'कलेक्टिव वेलबीइंग' का माध्यम भी है। आंध्र प्रदेश सरकार के 'योगआंध्र' अभियान की सराहना करते हुए उन्होंने बताया कि 10 लाख लोगों का एक 'योगा पूल' तैयार किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने डब्ल्यूएचओ के साथ हुए समझौता ज्ञापन का जिक्र करते हुए कहा कि अब 'ट्रेडिशनल मेडिसिन' को एक 'साइंटिफिक ग्लोबल फ्रेमवर्क' में शामिल किया जाएगा, जिससे आयुष को दुनिया भर में नई पहचान मिलेगी। प्रधानमंत्री ने विश्व मधुमक्खी दिवस के अवसर पर शहद उत्पादन में भारत की प्रगति को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि बीते 11 वर्षों में देश में 'स्वीट रेवोल्यूशन' आया है, जिससे शहद उत्पादन 60 प्रतिशत बढ़ा है। 'राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन मिशन' और 'शहद मिशन' के तहत हजारों किसानों को प्रशिक्षण, उपकरण और बाजार से जुड़ाव मिला। छत्तीसगढ़ का 'सोन हनी' जैसे स्थानीय ब्रांडों ने वैश्विक पहचान बनाई है। प्रधानमंत्री ने लोगों से स्थानीय उद्यमियों से शहद खरीदने की अपील की। प्रधानमंत्री ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स की सफलता पर खुशी जताई, जिसकी मेजबानी बिहार के पाँच शहरों ने की। पाँच हजार से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया और बिहार की खेल भावना की सराहना की। यह पहला आयोजन था जिसे ओलंपिक चैनल के माध्यम से वैश्विक स्तर पर दिखाया गया। महाराष्ट्र, हरियाणा और राजस्थान शीर्ष विजेता रहे। कुल 26 नए रिकॉर्ड बने, जिसमें कई खिलाड़ियों का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा। बिहार ने भी 36 पदक जीते। प्रधानमंत्री ने कहा, जो खेलता है, वही खिलता है और ऐसे आयोजनों को भारतीय खेलों के उज्ज्वल भविष्य के लिए आवश्यक बताया। प्रधानमंत्री ने गिर के शेरों की बढ़ती आबादी से जुड़ी खबर साझा करते हुए कहा कि यह संरक्षण और जनभागीदारी का परिणाम है। गुजरात के गिर वन में एशियाटिक शेरों की संख्या पाँच वर्षों में 674 से बढ़कर 891 हो गई है। प्रधानमंत्री ने इसे समाज की 'ओनरशिप' की भावना का उदाहरण बताया और वन अधिकारियों, खासकर महिलाओं की भागीदारी, आधुनिक तकनीक और जनसहभागिता को इसका श्रेय दिया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने सिक्किम के डॉ. चेवांग नोरबू भूटिया द्वारा स्थापित 'क्राफ्टेड फाइबर' ब्रांड की सराहना की। उन्होंने पारंपरिक बुनाई को आधुनिक फैशन से जोड़ते हुए कहा कि इसने स्थानीय महिलाओं, पशुपालकों और स्व-सहायता समूहों को आत्मनिर्भर बनाया है। उत्तराखंड के हल्द्वानी निवासी जीवन जोशी ने पोलियो के बावजूद चीड़ के पेड़ों की छाल से 'बगेट' नामक अनोखी कला विकसित की। प्रधानमंत्री ने उन्हें जीवंत प्रेरणा बताते हुए उनके साहस और रचनात्मकता की भूरी-भूरी प्रशंसा की। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले की ग्रामीण महिलाएं अब ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल कर खेती में क्रांति ला रही हैं। प्रधानमंत्री ने उन्हें 'स्काई वॉरियर्स' कहकर संबोधित किया और बताया कि तकनीक और संकल्प मिलकर बड़े बदलाव ला सकते हैं। प्रधानमंत्री ने सीबीएसई की 'शुगर बोर्ड' पहल की जानकारी दी, जिससे बच्चे चीनी की खपत के प्रति जागरूक हो रहे हैं। उन्होंने इसे स्वस्थ जीवनशैली की ओर एक बड़ा कदम बताया। प्रधानमंत्री ने आइटीबीपी की माउंट मकालू चढ़ाई टीम के पर्यावरण की दृष्टि से किए गए विशेष कार्य का उल्लेख किया।

केंद्र सरकार पीओसीएसओ एक्ट में बदलाव पर करे विचारः सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से कहा है कि वह पीओसीएसओ एक्ट में बदलाव करने पर विचार करे। यह एक्ट बच्चों को यौन अपराधों से बचाने के लिए बनाया गया है। कोर्ट ने सरकार से कहा कि वह देश में यौन और प्रजनन स्वास्थ्य शिक्षा के लिए एक नीति बनाए यानी स्कूलों में बच्चों को यौन संबंध और प्रजनन के बारे में सही जानकारी दी जानी चाहिए। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुयान की बेंच ने केंद्र सरकार को नोटिस भेजा है। सरकार को महिला और बाल विकास मंत्रालय के जरिए से जवाब देना है। कोर्ट ने कहा है कि सरकार एक कमेटी बनाए। यह कमेटी इस मुद्दे पर विचार करेगी और 25 जुलाई तक अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। रिपोर्ट मिलने के बाद कोर्ट फैसला लेगा। यह मामला पश्चिम बंगाल की एक महिला से जुड़ा है। इस महिला के पति को पीओसीएसएओ एक्ट के तहत 20 साल की जेल हुई है। उन पर आरोप है कि उन्होंने उस महिला के साथ संबंध बनाए जब वह 14 साल की थी। कोर्ट इस मामले की सुनवाई कर रहा है। कोर्ट ने इस मामले में दो सीनियर वकील को नियुक्त किया था। उन्होंने सुझाव दिया कि आपसी सहमति से संबंध बनाने वाले किशोरों को सुरक्षा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पीओसीएसओ एक्ट नाबालिगों को यौन शोषण से बचाने के लिए जरूरी है, लेकिन अगर इसे किशोरों के आपसी संबंधों में सख्ती से लागू किया जाता है, तो इसके नतीजे अच्छे नहीं होंगे। इससे उन किशोरों और उनके परिवारों को नुकसान हो सकता है। सीनियर वकीलों के सुझावों को मानते हुए कोर्ट ने केंद्र सरकार को इस मामले में शामिल किया और नोटिस जारी किया। वकीलों ने यह भी कहा कि दिल्ली और मद्रास जैसे कई हाईकोर्ट ने इस मामले में अलग राय रखी है। उन्होंने पीओसीएसओ एक्ट के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए कहा है कि इसका मकसद आपसी सहमति से बनने वाले रोमांटिक रिश्तों को अपराध बनाना नहीं है। बता दें दिल्ली हाईकोर्ट ने हाल ही में फरवरी में एक लड़के को राहत दी और उसके खिलाफ मामले को रद्द कर दिया। कोर्ट ने

कहा कि कानून का ध्यान शोषण और दुर्व्यवहार को रोकने पर होना चाहिए, न कि प्यार को दंडित करने पर। कोर्ट ने कहा कि प्यार एक मौलिक मानवीय अनुभव है, और किशोरों को भावनात्मक संबंध बनाने का अधिकार है। कानून को इन रिश्तों को स्वीकार करने और उनका सम्मान करने के लिए विकसित होना चाहिए, जब तक कि वे सहमति से हों और जबरदस्ती से मुक्त हों।

संक्षिप्त समाचार

लड़ाकू विमान के इंजन बनाने में क्यों पीछे रह गया भारत

नई दिल्ली। लड़ाकू विमान यानी फाइटर जेट की असली ताकत उसके इंजन में होती है। इंजन तय करता हैं कि कोई विमान कितनी ऊँचाई तक जा सकता है, कितनी रफ्तार पकड़ सकता है और दुश्मन की पकड़ से कैसे बच सकता है। लेकिन इस तकनीक को विकसित करना दुनिया के सबसे मुश्किल और महंगे कामों में से एक है। अमेरिका, रूस फ्रांस और चीन इस क्षेत्र में बहुत आगे निकल चुके हैं लेकिन भारत अभी भी इस दौड़ में काफी पीछे है। भारत ने 1986 में अपने पहले स्वदेशी लड़ाकू विमान इंजन 'कावेरी प्रोजेक्ट' की शुरुआत की थी। लेकिन ये प्रोजेक्ट कई तकनीकी और वित्तीय कारणों से कभी अपनी मंजिल तक नहीं पहुंच सका। चीन ने इस क्षेत्र में अरबों डॉलर का निवेश किया। वह रूस और अमेरिका की तकनीक को रिवर्स इंजीनियरिंग और साइबर जासूसी के जरिए हासिल करता रहा। चीन ने अपनी कोशिशों में निरंतरता बनाए रखी और आज वह डब्ल्यूएस-10 इंजन बड़े स्तर पर बना रहा है।

स्लोवाकिया की कंपनी ने बनाई उड़ने वाली कार

नई दिल्ली। स्लोवाकिया की कंपनी क्लेन विजन ने एक ऐसी अनोखी कार तैयार की है, जो न सिर्फ सड़क पर चल सकती है, बल्कि आसमान में उड़ भी सकती है। कंपनी की इस अनोखी कार का नाम है 'एयरकार', और यह तकनीक निजी परिवहन की दुनिया में एक नया युग शुरू कर सकती है। क्लेन विजन की इस फ्लाइंग कार को यूरोपीय विमानन एजेंसी से हवाई योग्यता का प्रमाणपत्र मिल चुका है। एयरकार ने अब तक 200 से भी ज्यादा सफल उड़ानें भरी हैं और 35 मिनट की ब्रातिस्लावा-नाइट्रा हवाई यात्रा भी पूरी की है। गर्मियों में इसका नया मॉडल 'एयरकार 2' परीक्षण के लिए तैयार होगा और इसके बाद इसे बाजार में उतारा जाएगा। यह कार सड़क पर 200 किमी/घंटा और आसमान में 250 किमी/घंटा की रफ्तार से चल सकती है। एक बार फ्यूल भरवाने पर यह 1000 किलोमीटर तक उड़ान भर सकती है। इसका सबसे रोचक पहलू यह है कि हवाई मोड में बदलने पर इसके पंख और पीछे की पूंछ जैसी संरचनाएं बाहर आ जाती हैं, जिससे यह एक छोटे विमान में तब्दील हो जाती है। हालांकि, इसकी कीमत आम लोगों की पहुंच से बाहर हो सकती है। एयरकार 2 की अनुमानित कीमत 6.5 से 8 करोड़ रुपये के बीच बताई जा रही है। इसके अलावा, इसे उड़ाने के लिए पायलट लाइसेंस की आवश्यकता होगी। लेकिन कंपनी का दावा है कि आने वाले समय में इसे और अधिक सुलभ और किफायती बनाया जाएगा। क्लेन विजन के संस्थापक स्टीफन क्लेन को हाल ही में 'लिविंग लीजेंड्स ऑफ एविएशन' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

4 राज्यों की 5 विधानसभा सीटों पर 19 को मतदान, 23 जून को आएंगे परिणाम

एजेंसी। नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने 4 राज्यों की 5 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। जहां चुनाव होना है उसमें गुजारात की 2, पंजाब, केरल और पश्चिम बंगाल की एक-एक सीट शामिल है। यहां 19 जून को मतदान होगा और 23 जून को नतीजे आ जाएंगे। ये उपचुनाव विधायकों के इस्तीफे या मौत की वजह से ये खाली हुई सीटों पर हो रहे हैं। गुजरात में कादी और विसावदर सीट पर चुनाव होगा। केरल में नीलांबुर, पंजाब में लुधियाना और पश्चिम बंगाल में कालीगंज सीट पर भी उपचुनाव होगा। चुनाव आयोग ने कहा है कि सभी इलाकों में चुनाव की तैयारी पूरी हो चुकी है। आयोग ने यह भी कहा कि शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए सारे जरूरी कदम उठाए जाएंगे।चुनाव आयोग के अनुसार, इन सभी क्षेत्रों में चुनाव की तैयारी पूरी कर ली गई है। मतलब वोटिंग की सारी व्यवस्था हो चुकी है। आयोग ने यह भी कहा कि चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। यानी, किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए सुरक्षा के इंतजाम किए जाएंगे। इन उपचुनावों के नतीजे इन राज्यों की राजनीति में कुछ बदलाव ला सकते हैं। देखना होगा कि कौन सी पार्टी इन सीटों पर जीत हासिल करती है।

सज्जनता के साथ शक्ति भी जरूरीः मोहन भागवत

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि भारत को इतना सामर्थ्यवान बनना चाहिए कि कोई भी शक्ति उसे पराजित न कर सके। उन्होंने संघ प्रार्थना की एक पंक्ति का उल्लेख करते हुए बताया कि यह केवल भावना नहीं बल्कि हमारा संकल्प है। उन्होंने कहा कि अपना स्वयं का बल ही वास्तविक बल होता है और सुरक्षा के मामले में हमें किसी अन्य पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। भागवत ने संघ की विचार पत्रिकाओं के संपादकों को दिए साक्षात्कार में देश, समाज और हिंदुत्व से जुड़े कई अहम विषयों पर विस्तार से विचार रखे। उन्होंने आत्मनिर्भर सुरक्षा, सामाजिक समरसता, संघ में महिलाओं की भूमिका और धर्म आधारित जीवन मूल्यों पर स्पष्ट दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि विश्व में कुछ लोग आक्रामक प्रवृत्ति के होते हैं और केवल सज्जनता से उनकी रोकथाम संभव नहीं है। सज्जनता के साथ शक्ति भी जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि जब सज्जनता में शक्ति नहीं होती तो वह असहाय बन जाती है और शक्ति यदि सज्जनता से रहित हो तो हिंसा में बदल सकती है। इसलिए दोनों का संतुलन आवश्यक है। उल्लेखनीय है कि मोहन भागवत का यह साक्षात्कार भारत के ऑपरेशन सिंदूर के पहले लिया गया था। उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए अत्याचारों से जुड़े एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि अब वहां का हिंदू समाज पहले से अधिक जागरूक और आत्मविश्वासी हो गया है। पहले ऐसे हालात में पलायन होता था लेकिन अब वहां के हिंदू कहते हैं कि वे भागेंगे नहीं बल्कि अपने अधिकारों के लिए वहीं संघर्ष करेंगे। भागवत ने इसे हिंदू समाज के बढ़ते आत्मबल और संगठन का संकेत बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्वभर में फैले हिंदू समाज के साथ खड़ा है। संघ मर्यादाओं के भीतर रहकर जहां भी संभव हो सहायता करता है। संघ का उद्देश्य केवल भारत में नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर हिंदू समाज को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है। हिंदुत्व को लेकर चल रही बहस पर उन्होंने कहा कि हिंदुत्व कोई संप्रदाय नहीं है और न ही यह कोई बंद विचारधारा है। यह सत्य, करुणा, शुचिता और तपस्या जैसे मूल्यों पर आधारित जीवन दृष्टि है जिसमें विविधताओं का सम्मान और स्वीकार है। उन्होंने कहा कि हिन्दुस्थान एक धर्मप्राण राष्ट्र है और धर्म ही सृष्टि को संचालित करता है। यह मानना या न मानना व्यक्ति की इच्छा पर निर्भर करता है लेकिन सत्य को मानने से लाभ होता है और नहीं मानने पर हानि होती है। उन्होंने यह भी कहा कि हिंदुत्व को कट्टर या राजनीतिक विचार कहना गलत है और यह केवल भ्रम फैलाने का प्रयास है। भागवत ने कहा कि राष्ट्र की एकता का विचार संविधान में भी निहित है।

तीन देशों की सीमा पर आए भूकंप के झटके, दहशत में भागे लोग

नई दिल्ली। तीन देशों की सीमाओं पर आए भूकंप ने लोगों को डरा दिया है। स्थानीय लोग दहशत में घरों से बाहर निकले और सुरक्षित स्थान तलाशने लगे। हालांकि भूकंप बहुत ज्यादा नहीं था, इसकी तीव्रता 4.2 मापी गई है। यह भूकंप पहले शनिवार को आया इसके बाद रविवार को भी मामूली झटके महसूस किए गए हैं। भूकंप की वजह से पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा, अफगानिस्तान के उत्तरी क्षेत्र और ताजिकिस्तान के सुदूरवर्ती इलाकों में कंपन महसूस किया गया। भूकंप वैज्ञानिकों का कहना है कि यह इलाका तीन टेक्टॉनिक प्लेटों के मिलने वाले क्षेत्र में आता है, इसलिए यहां अक्सर हल्के से मध्यम तीव्रता के भूकंप आते रहते हैं। पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ताजिकिस्तान की सीमावर्ती इलाकों में शनिवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.2 मापी गई है। स्थानीय समयानुसार भूकंप सुबह करीब 9 बजे के आसपास आया। झटकों की वजह से लोग धबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के हिंदू कुश पर्वतीय क्षेत्र के पास बताया जा रहा है जो अक्सर भूकंपीय गतिविधियों के लिए जाना जाता है। हालांकि फिलहाल किसी बड़े जान-माल के नुकसान की पुष्टि नहीं हुई है।

वकीलों के मेडिकल इंश्योरेंस के लिए सिब्बल ने अंबानी-अडानी से मांगे 50 करोड़

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल द्वारा वकीलों के लिए शुरू की गई 50 करोड़ की सामूहिक स्वास्थ्य बीमा योजना को लेकर एसोसिएशन में आंतरिक विवाद उभर आया है। इस योजना के तहत देश के प्रमुख उद्योगपतियों से धन जुटाया गया है, लेकिन एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने इसे लेकर पुनर्विचार या रद्द करने की बात कही है। सिब्बल ने वकीलों की चिकित्सा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उद्योगपतियों से फंड इकट्ठा कर 2 लाख तक का स्वास्थ्य बीमा कवर देने की पहल की। योजना के तहत नेशनल इंश्योरेंस कंपनी के माध्यम से अपोलो समूह की मदद से बीमा उपलब्ध कराया जाएगा। इस बीमा योजना का लाभ लगभग 2,700–2,800 सदस्यों को मिलेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, इसके लिए देश के प्रमुख उद्योगपति और रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने 10 करोड़ रुपये दिए। इसके अलावा, अनिल अंबानी, गौतम अडानी, एन चंद्रशेखरन (टाटा), समीर मेहता (टोरेंट), जीएम राव, कुमार मंगलम बिड़ला, अनिल अग्रवाल (वेदांता), लक्ष्मी मित्तल जैसे कारोबारियों ने 5 करोड़ दिए।

भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बना, जापान को भी पीछे छोड़ा

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है। अब हमारी अर्थव्यवस्था 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर को पार कर गई है। यह घोषणा नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बीवी आर सुब्रह्मण्यम ने की है। उन्होंने कहा है कि भारत ने जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल कर लिया है। यह आंकड़ा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के लेटेस्ट आंकड़ों पर आधारित है। सुब्रह्मण्यम ने यह जानकारी नई दिल्ली में आयोजित 10वीं नीति आयोग गवर्निंग काउंसिल बैठक के बाद एक प्रेस वार्ता में दी। बैठक के दौरान 'विकसित राज्य से विकसित भारत 2047 विषय पर केंद्र और राज्यों के बीच गहन विचार-विमर्श हुआ। नीति आयोग के सीईओ ने बताया कि इस बैठक में मैन्युफैक्चरिंग, सेवाएं, ग्रामीण और शहरी गैर-कृषि क्षेत्र, अनौपचारिक क्षेत्र, ग्रीन और सर्कुलर इकोनॉमी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। सुब्रह्मण्यम ने कहा, "भारत अब एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां से उसकी अर्थव्यवस्था बहुत तेज गति से आगे बढ़ सकती है। हम टेक-ऑफ स्टेज पर हैं।

अमेरिका, चीन और जर्मनी ही भारत से आगे : सुब्रह्मण्यम ने कहा, जैसा कि मैं बोल रहा हूं, भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। हमारी अर्थव्यवस्था 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर को पार कर गई है। यह मेरा नहीं बल्कि आईएमएफ का डेटा है। भारत अब जापान से आगे निकल गया है। उन्होंने आगे कहा कि अब केवल अमेरिका, चीन और जर्मनी ही भारत से आगे हैं।

कोच्चि के पास समुद्र में डूबा लाइबेरियाई कंटेनर पोत, सभी 24 सदस्य बचाए गए

एजेंसी। नई दिल्ली

कोच्चि से लगभग 38 समुद्री मील दूर रविवार को लाइबेरियाई कंटेनर पोत एल्सा-3 बाढ़ के कारण गहरे पानी में डूब गया, लेकिन भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल ने जहाज के सभी 24 चालक दल सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया है। समुद्र में डूबे जहाज से किसी भी तेल या रासायनिक रिसाव पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। किसी भी आकस्मिक स्थिति के लिए भारतीय जहाज पूरी तरह तैयार हैं। आईसीजी के कमांडर अमित उनियाल ने बताया कि 184 मीटर लंबा लाइबेरियाई कंटेनर जहाज एल्सा-3 तिरुवनंतपुरम के पास विझिनजाम बंदरगाह से 23 मई को कोच्चि बंदरगाह के लिए रवाना हुआ था। कोच्चि के रास्ते में जहाज के स्टारबोर्ड की तरफ 26 डिग्री का झुकाव होने पर चालक दल के 09 सदस्य लाइफ राफ्ट में चले गए। जहाज के कप्तान, मुख्य अभियंता और इंजीनियर बचाव कार्यों के लिए संकटग्रस्त जहाज पर सवार थे। भारतीय तटरक्षक बल को 24 मई को लगभग 13.25 बजे कोच्चि से करीब 38 समुद्री मील दूर लाइबेरियाई ध्वज वाले कंटेनर पोत एमएससी ईएलएसए 3 पर संकट की स्थिति के बारे में सूचना मिली। दरअसल, शिपिंग कंपनी पोत के साथ संचार स्थापित करने में असमर्थ थी और उसने पोत पर सवार 24 चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आईसीजी से सहायता मांगी। इस पर कोच्चि स्थित आईसीजी जिला मुख्यालय के अंतर्गत समुद्री बचाव उपकेंद्र (एमआरएससी) ने आईसीजी डोर्नियर विमान को हवाई निगरानी करने और जहाज से संपर्क स्थापित करने का काम सौंपा। तुरंत प्रतिक्रिया करते हुए विमान ने जहाज का पता लगाया। पानी में दो लाइफ राफ्ट दिखाई दीं, जिनमें क्रमशः 05 और 04 लोग जीवित लोग सवार थे। संकटग्रस्त स्थान के पास तैरते हुए कुछ कंटेनरों की भी पहचान की गई। इसके बाद गश्त पर तैनात आईसीजी के जहाजों को भी संकटग्रस्त जहाज की ओर मोड़ दिया गया। एमआरएससी ने वैश्विक खोज और बचाव प्रक्रियाओं के अनुसार आसपास के दो व्यापारिक जहाजों एमवी हान यी और एमएससी सिल्वर 2 को संकटग्रस्त जहाज की स्थिति की ओर मोड़ दिया। त्वरित सहायता के लिए आईसीजी के डोर्नियर विमान ने जीवित बचे लोगों को बचाने के लिए जीवन रक्षक नौकाएं उतारीं।

देश की पहली महिला चीफ जस्टिस बनने की कतार में जस्टिस नागरत्ना

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की 5वीं सीनियर जस्टिस बीवी नागरत्ना आज आधिकारिक रूप से कॉलेजियम का हिस्सा बनेंगी। जस्टिस अभय एस. ओका के रिटायरमेंट के बाद उन्हें सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम में सदस्य बनाया जा रहा है। इस तरह कॉलेजियम में अब चीफ जस्टिस बी.आर. गवई, जस्टिस सूर्य कांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस नागरत्ना होंगे। जस्टिस नागरत्ना देश की पहली महिला चीफ जस्टिस बनने की कतार में हैं। वह 29 अक्टूबर 2027 को रिटायरमेंट तक इस सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम का हिस्सा रहेंगी। सुप्रीम कोर्ट के सूत्रों ने बताया कि चीफ जस्टिस गवई सुप्रीम कोर्ट में खाली पदों को भरने और कई हाई कोर्टों में अहम नियुक्तियां करने के लिए सोमवार को अपनी पहली कलीजियम बैठक बुला सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस ओका के रिटायर होने के बाद न्यायाधीशों के खाली पदों की संख्या तीन हो जाएगी। कॉलेजियम सिस्टम 1993 में वजूद में आया था। इसके तहत, सुप्रीम कोर्ट के पांच सीनियर मोस्ट जस्टिस सर्वोच्च न्यायालय और 25 उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति, तबादले और प्रमोशन की सिफारिश करते हैं।

पीएम शहबाज कठपुतली हैं ऐसी सरकार से नहीं करेंगे कोई बातः इमरान खान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान ने कहा है कि वह देश की सरकार से कोई बात नहीं करेंगे। इमरान

ने शरीफ सरकार को कठपुतली बताते हुए सिर्फ सेना से बात और समझौता करने की बात कही है। बता दें पीटीआई नेता इमरान खान अगस्त, 2023 से पाकिस्तान की जेल में बंद हैं। उन पर कई केस चल रहे हैं, ये मामले अप्रैल, 2022 में उनकी सरकार गिरने के बाद दर्ज किए गए थे। कई केसों में उनको सजा भी हो चुकी है। इमरान ने एक्स पर लिखा कि शहबाज सरकार से बात करने का कोई फायदा नहीं है क्योंकि यह सरकार फर्जी तरीके से चुनाव जीतकर बनी है। शहबाज सरकार दिखावे की है, इसके पास कोई ताकत नहीं है। ऐसे में हम सिर्फ सेना से बात करेंगे, जिसके पास असली ताकत है। इमरान ने कहा कि वह जेल और मुश्किलों से नहीं डरते और अभी भी उनका इरादा मजबूत है। इमरान खान ने अपने पार्टी नेताओं पर दबाव बनाए जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पीटीआई सदस्यों को पार्टी छोड़ने के लिए मजबूर किया जा रहा है। इमरान ने कहा कि पीटीआई नेताओं के साथ हो रहा बर्ताव दिखाता है कि पाकिस्तान में कानून का राज नहीं जंगल राज है।

संक्षिप्त समाचार

30 लीटर देसी शराब के साथ एक कारोबारी गिरफ्तार

गोह(औरंगाबाद): उपहारा पुलिस ने थाना क्षेत्र के शंकरडीह गांव से शनिवार की शाम करीब 7:00 बजे 30 लीटर महुआ शराब के साथ एक कारोबारी को गिरफ्तार किया है। जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष मनेष कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि शंकरडीह गांव में शराब की बिक्री की जा रही है। उक्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर 30 लीटर महुआ शराब के साथ कारोबारी लूटन चौधरी को गिरफ्तार कर थाना लाया गया है। साथ ही कागजी प्रक्रिया पूरी कर रविवार को जेल भेज दिया गया है ।

मारपीट के मामले में तीन अभियुक्त गिरफ्तार गया जेल

रफीगंज औरंगाबाद: प्रखंड के कुटकुरी गांव में मारपीट के मामले में भीम शर्मा व टुनटुन शर्मा घायल हो गए। घायल टुनटुन शर्मा ने प्राथमिकी दर्ज किया था। जिसमे तीन अभियुक्त कुटकुरी गांव निवासी अजय कुमार, लाल सिंह एवं मुकेश कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। थानाध्यक्ष शंभू कुमार ने बताया कि घायल टुनटुन शर्मा ने आवेदन दिया था , जिसमे आठ लोगो को नामजद अभियुक्त बनाया गया था, जिसमे तीन अभियुक्त को गांव से गिरफ्तार कर भेज दिया गया ,एवं अन्य अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी किया जा रहा है।

गन्ना उद्योग मंत्री पहुंचे औरंगाबाद LJP (R) जिलाध्यक्ष ने किया स्वागत

औरंगाबाद। बिहार सरकार के गहना उद्योग मंत्री कृष्णनंदन पासवान तीन दिवसीय कार्यक्रम को लेकर शनिवार को औरंगाबाद जिले में पहुंचे। मंत्री कृष्णनंदन पासवान कई कार्यक्रम में शिरकत हुए। इसी क्रम में शनिवार को देर रात लोजपा रामविलास जिलाध्यक्ष चंद्रभूषण सिंह उर्फ सोनू सिंह के आवास पहुंचे पहुंचे। अपने आवास पर लोजपा रामविलास के जिलाध्यक्ष चंद्रभूषण सिंह उर्फ सोनू सिंह ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। इस दौरान मंत्री जी ने जनता दरबार लगाकर जनसमस्या को भी सुना और उस समस्या को त्वरित निष्पादन भी किया। इस दौरान हरी पाठक, दीपक सिंह,विकास कुमार सिंह उर्फ पप्पू, कृष्णा सिंह, रॉकी राज, नीरज कुमार, रौशन कुमार सिंह एवं लोजपा रामविलास के दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

19.03 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के साथ 31 प्री-फैब हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का हुआ शिलान्यास शिलान्यास

» स्वास्थ्य एवं विधि विभाग के मंत्री मंगल पांडेय हाथों हुआ शिलान्यास

संवाददाता

औरंगाबाद। बिहार सरकार के स्वास्थ्य एवं विधि विभाग के मंत्री मंगल पांडेय के द्वारा औरंगाबाद जिले के कुटुंबा प्रखंड में 19.03 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा 31 प्री-फैब हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का शिलान्यास किया गया। बिहार सरकार प्रदेशवासियों को बेहतर, सुलभ एवं सशक्त स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने हेतु सतत प्रयासरत है। स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार एवं बुनियादी ढांचे के विकास की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। बिहार सरकार द्वारा औरंगाबाद जिले में स्वास्थ्य क्षेत्र में कई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार द्वारा पूर्व में मॉडल अस्पताल, औरंगाबाद का उद्घाटन प्रगति यात्रा के दौरान किया गया था। वर्तमान में 21 करोड़ रुपये की लागत से मातृ शिशु अस्पताल, औरंगाबाद का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। सदर अस्पताल परिसर में 2.5 करोड़ रुपये की लागत से प्री-फैब पीआईसीयू अस्पताल तथा 7.5 करोड़ रुपये की लागत से 100 बेड प्री-फैब फील्ड अस्पताल, जम्हौर का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। हाल ही में जिले में 34 अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों का निर्माण कार्य पूर्ण कर आम जनता को समर्पित किया गया है। औरंगाबाद जिले में 9.64 करोड़ रुपये की लागत से एक ट्रामा सेंटर की स्थापना हेतु निविदा प्रक्रिया प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त जिले में मेडिकल कॉलेज की स्थापना हेतु 400.29 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जा चुकी है। मुख्यमंत्री सात निश्चय योजना के अंतर्गत 22 करोड़ रुपये की लागत से जीएनएम एवं पारा मेडिकल संस्थान का निर्माण कार्य भी सदर अस्पताल परिसर में कराया जा रहा है। कोविड-19 महामारी के दौरान स्वास्थ्य सुरक्षा को सुदृढ़ करने हेतु जिले के छह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 20 शैय्या युक्त प्री-फैब वार्ड तथा मेडिकल गैस पाइपलाइन सिस्टम (MGPS) की अधिष्ठापना की गई है। स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में यह सतत प्रगति राज्य सरकार की दूरदर्शिता, जनकल्याण की प्रतिबद्धता तथा प्रशासनिक तत्परता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। सरकार का यह प्रयास है कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को समय पर, प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्राप्त हों।

हरख विगहा टोले में अब तक नही बन सकी पक्की सड़क, ग्रामीण परेशान

» दो जिले के सीमावर्ती इलाकों की वजह से नही हो सका निर्माण

संवाददाता

गोह(औरंगाबाद): गोह प्रखंड क्षेत्र के नीमड़ी हरख टोले में ग्रामीण पक्की सड़क के अभाव में असुविधा पूर्ण स्थिति में आवागमन कर रहे हैं, लेकिन मांग के बावजूद भी ग्रामीणों को पक्की सड़क की सुविधा उपलब्ध नहीं हो सकी है। पानी निकासी की सुविधा तो दूर बरसात के दिनों में ग्रामीणों का मुख्य रोड तक दोनों दिशाएं (दक्षिण एवं पश्चिम) में मुख्य सड़क तक का रास्ता बंद हो जाता है. मगर अभी तक गांव में मूलभूत सुविधा उपलब्ध नहीं करायी गयी है. सुविधा नहीं मिलने के कारण ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधि व अधिकारियों के खिलाफ आक्रोश बढ़ता जा रहा है. यह कच्ची सड़क हरख विगहा से आशापुर व बाजितपुर मुख्य सड़क में जुड़ जाती है. स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि औरंगाबाद-गया का सीमावर्ती इलाका है. दोनों जिला का सीमावर्ती इलाका होने के कारण जनप्रतिनिधि कच्ची सड़क को पक्की सड़क निर्माण पर ध्यान नहीं देते हैं. हालांकि इस कच्ची सड़क का इलाका पूरा अमारी पंचायत के वार्ड नम्बर 9 के अंतर्गत आता है, परंतु हर वर्ष मनरेगा के तहत कच्चा वर्ग का कार्य किया जाता है, परंतु पक्की सड़क पर किसी का ध्यान नही जाता है। बरसात के समय में अपने ही पंचायत मुख्यालय में 8 किलोमीटर की दूरी तय कर जाना पड़ता है, जबकि सड़क बन जाने के बाद यह दूरी घटकर 2 किलोमीटर हो जाएगा। भले ही चुनाव में चुनावी वादा कर देते हैं. अब तक यह कच्ची सड़क सरकार के नक्शे से काफी दूर है. भले ही सरकार पंचायत के सभी गांव को पक्की सड़क से जोड़ने की बात करते हैं. पर इस टोले में दोनों तरफ से कच्ची सड़क तो आती है लेकिन पक्की सड़क इस टोले में नहीं है. करीब 50 से 60 की आबादी इस टोले का है. ग्रामीण पिंटू विश्वकर्मा, बिगन कुमार, विजय मिस्त्री, चंदू चंद्रवंशी, सिकंदर विश्वकर्मा, चुकन चंद्रवंशी सहित दर्जनों ग्रामीणों ने जल्द से जल्द सड़क निर्माण की मांग की है। मामले में बीडियो के फोन नम्बर पर संपर्क करने की कोशिश की गई परंतु उनसे संपर्क नहीं हो पाया है। हालांकि क्षेत्र संख्या (6) के जिप प्रतिनिधि श्याम सुंदर ने उक्त टोले के ग्रामीणों को आश्वासन दिया है, पर अब देखना यह होगा कि कबतक सड़क का निर्माण हो पाता है।

वारंटी गिरफ्तार

संवाददाता

औरंगाबाद. फरार चल रहा था। उसे बंदेया थाना क्षेत्र के गंगटी मोड़ के पास घुमते हुए देखा गया। उक्त सूचना पर सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु औरंगाबाद पुलिस एवं एसटीएफ के द्वारा संयुक्त रूप से गंगटी मोड़ के पास घेराबंदी कर नक्सली अर्जुन पासवान को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। गिरफ्तार नक्सली के विरुद्ध गोह थाना कांड संख्या115/97, 21/04, 102/09 बंदेया थाना कांड संख्या 12/017, 08/024 एवं गया जिला के गुरारू थाना कांड संख्या 21/04 दर्ज कर कार्रवाई की जा रही थी। 28 सालों से फरार नक्सली की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही थी।

रफीगंज कियाखाप पेट्रोल पंप के समीप से शादी समारोह में गए युवक की बाइक हुई चोरी, थाना में दिया आवेदन

संवाददाता

रफीगंज: के कियाखाप पेट्रोल पंप के समीप स्थित स्वीट ड्रीम मैरिज हॉल के समीप से बाइक चोरी होने का मामला रविवार को प्रकाश में आया है। इस मामले में कियाखाप गांव निवासी कमलेश यादव के पुत्र रवि कुमार ने रफीगंज थाना में आवेदन देते हुए उल्लेख किया है कि विगत 22 मई 2025 को शादी समारोह में पेट्रोल पंप के समीप स्थित स्वीट ड्रीम मैरिज हॉल के पास गए हुए थे। रोड पर गाड़ी अपाची बाइक JH 10 CE 1440 लगाकर खाना खाने के लिए अंदर चले गए। कुछ देर बाद वापस आया तो देखा की गाड़ी गायब है काफी खोज बिन किया लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया। रविवार की सुबह करीब 10:30 में रफीगंज थाना अध्यक्ष ने बताया कि अज्ञात चोरों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस द्वारा अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

तीनों मंडलों के संयुक्त सांगठनिक कार्यसमिति की बैठक सह बूथ सशक्तिकरण कार्यशाला का आयोजन

संवाददाता

रफीगंज : शहर के कासमा रोड़ स्थित भाजपा कार्यालय में तीनों मंडल रफीगंज ग्रामीण, नगर और भदवा मंडल के संयुक्त सांगठनिक कार्यसमिति कि बैठक सह बूथ सशक्तिकरण कार्यशाला आयोजित की गई।बैठक कि अध्यक्षता भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष सह बीस सूत्री उपाध्यक्ष संतोष कुमार साहू एवं संचालन भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष बब्लू सिंह ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ श्यामा मुखर्जी के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिला मंत्री सुबोध कुमार सिंह उपस्थित रहे। वक्ताओं ने बैठक में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि पार्टी के संगठन को बुथ स्तर पर मजबूत करने को लेकर हम लोगों को जनसंपर्क अभियान के तहत गांव-गांव जाकर लोगों से मिलना होगा। आने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी को मजबूत बनाने को लेकर जोर दिया गया और बताया गया कि अगर बूथ मजबूत हो जाएगी तो हमारी सरकार जरूर बनेगी।बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने पार्टी से समर्पित अपने-अपने ने विचारों को रखा और हर मंडल में 25 कार्यकर्ताओं को चुनाव करके बूथ स्तर को मजबूती प्रदान एवं पन्ना प्रमुख जल्द से जल्द बनाने के लिए आग्रह किया गया ।उन्होंने नरेंद्र मोदी को लेकर कहा कि गरीबों के लिए दर्जनों निःशुल्क योजना चल रहा है। बैठक में आगामी 30 मई को काराकाट लोकसभा क्षेत्र के बिक्रमगंज में होने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसभा में ज्यादा से ज्यादा लोगों को शामिल करने को लेकर चर्चा किया गया।तीनों मंडलों के मंडल कार्यसमिति का घोषणा की गई। बैठक का धन्यवाद ज्ञापन भदवा मंडल अध्यक्ष रामकुमार सिंह ने किया।बैठक में भाजपा वरिष्ठ नेता सह कोषाध्यक्ष अवधेश कुमार सिंह, भाजपा महामंत्री सह पंचायत समिति प्रतिनिधि डॉक्टर गोपाल प्रसाद, मंडल महामंत्री शशिभूषण मिश्रा, मुखिया सह उपाध्यक्ष विजय कुमार सिंह, भाजपा नगर महामंत्री बालगोविंद साहू, नगीना देवी,महामंत्री शिवनारायण साव,मनोज कुमार सिंह, अशोक प्रसाद, अरुण कुमार सिंह, सुदय कुमार सिंह, लूटन सिंह,बिमलेश पासवान, रंजीत कुमार शर्मा,डॉ आर कुमार, पिंकी देवी, जयमनी देवी, वर्षा देवी, सरोज देवी, लालो देवी,अरविंद राज सिंह, सूरज कुमार, हार्दिक सिंह राजपूत, रिंटू मिश्रा , मनोज कुमार चंद्रवंशी, विजय चौधरी,रवि कुमार समेत सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर बूथ सशक्तिकरण अभियान के तहत भाजपा कार्यसमिति की बैठक

संवाददाता

रफीगंज: प्रखंड के कासमा में बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर बूथ सशक्तिकरण अभियान के तहत भाजपा कार्यसमिति की बैठक मंडल अध्यक्ष मनोज कुमार यादव के अध्यक्षता में किया गया। जिसका संचालन मंडल महामंत्री चंदन कुमार ने किया। बैठक में मंडल अध्यक्ष के द्वारा 61 सदस्यीय मंडल कार्यसमिति का घोषणा किया गया।जिसमें 6 उपाध्यक्ष, 2 महामंत्री, 6 मंत्री ,1 कोषाध्यक्ष के साथ-साथ 45 सदस्यी कार्यसमिति की घोषणा हुआ। प्रत्येक बूथों पर सशक्त बूथ कमेटी बनाने पर जोर दिया गया।बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिला मंत्री सुबोध सिंह, पूर्व जिला उपाध्यक्ष दीनानाथ विश्वकर्मा, पूर्व मंडल अध्यक्ष सह जिला पार्षद प्रदीप कुमार चौरसिया रहें। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने हमारा बूथ सबसे मजबूत के संकल्प के साथ सभी बूथों पर एनडीए उम्मीदवार के जीत सुनिश्चित करने पर बल दिया गया तथा ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकवाद के खिलाफ सेवा के जवाबी कार्रवाई को नमन किया गया। इसके साथ-साथ देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शुभ आगमन 30 मई 2025 शुक्रवार को बिक्रमगंज के पावन धरती पर होने जा रहा है इस कार्यक्रम में मंडल से हजारों कार्यकर्ता कार्यक्रम में शामिल होंगे।इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता रमेश सिंह, उपाध्यक्ष बबीता सैनी, धर्मदेव सिंह ,दिलीप कुमार साव ,सुदामा चौधरी, मंत्री सुधीर यादव , चंचला देवी, गुड़िया देवी, बरती देवी, किसान मोर्चा अध्यक्ष दिनेश सिंह, उपेंद्र प्रसाद ,हेमंत कुमार, संजय सिंह ,नंदू कुमार, अरविंद कुमार संगम ,उपेंद्र यादव, जुनैद आलम उर्फ गुड्डू के साथ सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे हैं।

बीस सूत्री कार्यालय का किया गया उद्घाटन

संवाददाता

दाउदनगर (औरंगाबाद) : बिहार सरकार में ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने प्रखंड सह अंचल कार्यालय स्थित बीस सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के कार्यालय का उद्घाटन रविवार को किया। उनके साथ बीस सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के प्रखंड अध्यक्ष दीपक कुमार पटेल, पार्टी महासचिव राजेंद्र सिंह जार्ज, जितेंद्र पटेल, डा.निर्मल सिंह, वार्ड पार्षद सीमन कुमारी, भाजपा नगर अध्यक्ष श्याम पाठक, नगर प्रवक्ता पप्पू गुप्ता आशुतोष पटेल, रामानंद चंद्रवंशी, विजय पासवान समेत कई उपस्थित रहे। उन्होंने बिहार सरकार द्वारा किए गए तमाम कार्यों को बनाया और बिजली सड़क से लेकर यहां तक कहा कि कोई घर ऐसा नहीं है जहां सरकार की कोई ना कोई योजनाएं नहीं पहुंची हो। एसडीओ मनोज कुमार व बीडीओ मो.जफर इमाम व अन्य ने सुरक्षा व अन्य व्यवस्था संभाला। शिक्षा सेवक सह तालिमी मरकज संघ

प्रखंड अध्यक्ष विनोद रिखियासन, कृष्णा चौधरी, कमलेश कुमार, जहदा खातून, सत्येंद्र चौधरी, मो.इरशाद आलम, सत्येंद्र चौधरी, अनवरी खातून, धीरज कुमार ने भी स्वागत किया।

महिला संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए ग्रामीण विकास मंत्री श्री श्रवण कुमार

» ओबरा प्रखंड के बेल ग्राम में महिलाओं से संवाद, सशक्तिकरण पर दिया जोर

संवाददाता

औरंगाबाद। रविवार को औरंगाबाद जिले के ओबरा प्रखंड अंतर्गत बेल ग्राम में "महिला संवाद" कार्यक्रम का आयोजन जीविका के चन्द्रमा ग्राम संगठन के तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में माननीय ग्रामीण विकास मंत्री, बिहार सरकार, श्रवण कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर जिलाधिकारी, औरंगाबाद, श्रीकांत शास्त्री सहित जीविका से जुड़े वरिष्ठ पदाधिकारीगण एवं क्षेत्रीय प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत जीविका समूहों से जुड़ी महिलाओं – श्रीमती रंजीती देवी, उषा देवी, चन्द्रावती कुमारी, निशा सिंह, रानी कुमारी आदि द्वारा अपने अनुभव साझा करते हुए की गई। महिलाओं ने बताया कि उन्होंने बिहार सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं – जैसे कन्या उत्थान योजना, बालिका पोशाक योजना, साइकिल योजना, तथा शैक्षणिक प्रोत्साहन योजनाओं – का लाभ प्राप्त कर अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन महसूस किया है। इस अवसर पर जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री ने उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए बताया कि बिहार सरकार बालिकाओं के जन्म से लेकर उच्च शिक्षा एवं रोजगार तक विभिन्न चरणों में आर्थिक सहायता एवं प्रोत्साहन प्रदान कर रही है। उन्होंने बताया कि राज्य में बेटियों को जन्म के समय तथा सम्पूर्ण टीकाकरण उपरांत 2000 की सहायता राशि दी जाती है। इसके अतिरिक्त, विद्यालय जाने पर पोशाक एवं साइकिल योजना के तहत प्रोत्साहन राशि, तथा मैट्रिक, इंटर व स्नातक स्तर पर उत्तीर्ण होने पर छात्रवृत्ति की सुविधा भी राज्य सरकार उपलब्ध कराती है। साथ ही, सरकारी सेवाओं में महिलाओं को 35% आरक्षण भी दिया गया है। ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि बिहार राज्य में 10,63,000 से अधिक जीविका स्वयं सहायता समूह सक्रिय हैं, जिनके माध्यम से 1 करोड़ 35 लाख से अधिक परिवार आजीविका से जुड़कर आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि देश के किसी अन्य राज्य में इतनी बड़ी संख्या में महिला समूहों का गठन नहीं हुआ है, जो अपने आप में बिहार के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को पंचायत, नगर निकाय, पुलिस, शिक्षा तथा अन्य क्षेत्रों में आरक्षण देकर उनकी भागीदारी सुनिश्चित कर रही है। इसके परिणामस्वरूप महिलाओं की राजनीतिक एवं प्रशासनिक सहभागिता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। ग्रामीण विकास मंत्री ने यह भी बताया कि राज्य सरकार द्वारा दो नए निर्णय लिए गए हैं: जीविका निधि कोऑपरेटिव बैंक की स्थापना। सभी प्रखंड कार्यालयों की सफाई व्यवस्था जीविका समूहों को सौंपना। आगामी योजनाओं के अंतर्गत जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत पोखरों में मत्स्य पालन, प्रखंड कार्यालयों में कैंटीन संचालन सहित अन्य कार्यों को भी जीविका समूहों को दिये जाने की योजना है। शहरी क्षेत्रों में भी जीविका के माध्यम से गरीब एवं वंचित परिवारों को संगठित कर उनके उत्थान हेतु प्रयास किए जा रहे हैं। मंत्री महोदय ने जीविका द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि राज्य के विकास में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनका सशक्त होना राज्य की समग्र प्रगति के लिए आवश्यक है। कार्यक्रम में जिला परियोजना प्रबंधक, जीविका पवन कुमार, प्रबंधक संचार मो. अनवर हुसैन, प्रबंधक संस्था निर्माण एवं क्षमता वर्धन रणंजय कुमार, प्रखंड परियोजना प्रबंधक, ओबरा सविता कुमारी, क्षेत्रीय समन्वयक अरुण कुमार एवं बिमल कुमारी, सामुदायिक समन्वयक भरत कुमार एवं अवंती कुमारी की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और उपस्थित जनसमूह ने सरकार की योजनाओं एवं प्रयासों की सराहना की।

औरंगाबाद पुलिस

गुमशुदा की तलाश-

दिनांक-24/05/2025 को मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम-कर्मा भगवान से मुसाफिर सिंह उम्र-55 वर्ष जो अपने घर से सामान लेने औरंगाबाद बाजार आए थे और अपने घर वापस नहीं लौटे है।
किसी भी व्यक्ति को इनके बारे में कोई भी जानकारी हो तो कृपया मुफ्फसिल थाना को सूचित करें।

संपर्क सूत्र - 9431669400

FOLLOW US

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ में कोरोना फिर एक्टिव, रायपुर में मिला पहला केस

रायपुर, एजेंसी। देश के कई हिस्सों में एक बार फिर कोरोना ने पैर पसारना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में भी अब छत्तीसगढ़ में भी कोरोना का पहला मामला सामने आया है। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में कोरोना संक्रमित एक मरीज मिला है। मरीज को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ऐसा बताया जा रहा है कि मरीज सर्दी-खांसी की परेशानी को लेकर अस्पताल गया था, जहां जांच में कोरोना पॉजीटिव पाया गया है। मरीज की पहचान होने के बाद इसकी जानकारी स्वास्थ्य विभाग को दी गई है। कोरोना कंट्रोल सेंटर के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. खेमराज सोनवानी ने इस मामले की पुष्टि की है।

मिली जानकारी के मुताबिक लक्ष्मीनगर, पचपेड़ी नाका निवासी यह व्यक्ति सर्दी-खांसी के रूटीन चेकअप के लिए अस्पताल पहुंचा था। लक्षणों के आधार पर डॉक्टरों को कोरोना की आशंका हुई, जिसके बाद उसका सैंपल लिया गया। रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद तुरंत उसे आइसोलेट कर इलाज शुरू कर दिया गया। संक्रमित मरीज़ को एक निजी हॉस्पिटल में भर्ती किया गया है, जहां उसका इलाज कोरोना प्रोटोकॉल के तहत किया जा रहा है।

मरीज को सिंगल वार्ड में रखा गया है और इलाज की अलग से विशेष व्यवस्था की गई है। अस्पताल प्रबंधन ने भी मरीज के संक्रमित होने की पुष्टि की है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से मरीज के परिजनों का सैंपल लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। साथ ही, हाल के दिनों में मरीज़ के संपर्क में आए लोगों की ट्रैकिंग और स्क्रीनिंग की जा रही है। सबसे आश्चर्य की बात तो यह है कि संक्रमित मरीज का किसी अन्य राज्य की यात्रा का कोई इतिहास नहीं है, जिससे यह संदेह गहरा रहा है कि संक्रमण स्थानीय स्तर पर फैला हो सकता है। राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग ने आम जनता से अपील की है कि वे सावधानी बरतें, भीड़-भाड़ से बचें और यदि कोई लक्षण दिखें तो तुरंत नज़दीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराएं।

कोरोना कंट्रोल सेंटर के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. खेमराज सोनवानी ने जनता से अपील की है कि वे घबराएं नहीं, बल्कि सावधानियां बरतें। मास्क का उपयोग करें, फिजिकल डिस्टेंसिंग का पालन करें और हाथों को बार-बार धोते रहें। भीड़ वाली जगहों से दूर रहें। यदि किसी भी तरह के लक्षण महसूस होते हैं तो तत्काल स्वास्थ्य जांच कराएं। कोरोना संक्रमण को लेकर डरने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट है।

छत पर सो रही महिला को उठा ले गया तेंदुआ, मचा हाहाकार, इलाके में फैली दहशत

बहराइच, एजेंसी। यूपी के बहराइच में कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के सुजौली रेंज जंगल से सटे अयोध्यापुरवा गांव में शनिवार रात छत पर सो रही अधेड़ महिला को तेंदुआ उठा ले गया। हांका लगाते लोग महिला की तलाश में निकले। तो कुछ दूरी पर गन्ने के खेत में शव मिला। जिसके चलते परिजनों में हाहाकार मच गया। जानकारी पर पुलिस व वन महकमे की टीम मौक पहुंची है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। तेंदुए के हमले से इलाके में दहशत फैल गई है। सुजौली थाने के अयोध्यापुरवा निवासनी 45 वर्षीय जहीरा बानो पत्नी निसार अहमद शनिवार रात में परिवार के अन्य सदस्यों के साथ छत पर सो रही थी। शनिवार देर रात लगभग 2 - 3 बजे के बीच तेंदुआ छत पर चढ़ गया। तेंदुआ जहीरा बानो को गले से दबोच ले गया। तेंदुआ के हमले पर सब की नींद टूटी। उनके शोर पर ग्रामीण लाठी और डंडा लेकर हांका लगाते हुए दौड़े। कुछ दूरी पर गन्ने के खेत में महिला को छोड़ कर तेंदुआ गायब हो गया। ग्रामीणों ने महिला जहीरा बानो का शव खेत से बरामद हो गया। महिला के गले पर तेंदुए के दांत के निशान पाए गए है। तेंदुए के हमले से महिला की मौत के बाद परिजनों में हाहाकार मच गया। यूपी के बहराइच में कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के सुजौली रेंज जंगल से सटे अयोध्यापुरवा गांव में शनिवार रात छत पर सो रही अधेड़ महिला को तेंदुआ उठा ले गया। हांका लगाते लोग महिला की तलाश में निकले। तो कुछ दूरी पर गन्ने के खेत में शव मिला। जिसके चलते परिजनों में हाहाकार मच गया। जानकारी पर पुलिस व वन महकमे की टीम मौक पहुंची है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। तेंदुए के हमले से इलाके में दहशत फैल गई है। सुजौली थाने के अयोध्यापुरवा निवासनी 45 वर्षीय जहीरा बानो पत्नी निसार अहमद शनिवार रात में परिवार के अन्य सदस्यों के साथ छत पर सो रही थी।

समुद्र में लौट रहा लहरों का योद्धा आईएनएस ब्रह्मपुत्र, आग लगने के बाद हुआ था बड़े हादसे का शिकार

कोलकाता, एजेंसी। भारतीय नौसेना का स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस ब्रह्मपुत्र जुलाई 2024 में मुंबई स्थित नौसेना डॉकयार्ड में हुए एक गंभीर हादसे के बाद बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। लेकिन अब यह युद्धपोत एक बार फिर से सेवा में लौटने की राह पर है। वरिष्ठ नौसैनिक अधिकारियों ने बताया कि युद्धपोत के 'फ्लोट और मूव' क्षमताओं को बहाल करने का कार्य इस साल के अंत या 2026 की शुरुआत तक पूरा हो सकता है, जबकि इसकी 'फाइट' यानी युद्ध क्षमता जून-जुलाई 2026 तक दोबारा सक्रिय हो सकती है। कई लोगों को आशंका थी कि भारी नुकसान के कारण यह पोत दोबारा सेवा में नहीं लौट पाएगा, लेकिन नौसेना इसे ठीक करने और सेवा में वापस लाने के लिए तेजी से काम कर रही है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, नौसेना डॉकयार्ड में युद्धपोत की मरम्मत तेजी से चल रही है। उसे फिर से समुद्र में चलने लायक बनाना प्राथमिकता है। यह पहली बार है जब वर्ष 2000 में सेवा में आए इस गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट के दोबारा ऑपरेशन को लेकर आधिकारिक जानकारी सामने आई है। यह युद्धपोत कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड द्वारा बनाया गया था।

हादसा और नुकसान

21 जुलाई 2024 को नौसेना डॉकयार्ड में खड़े 3,850 टन वजनी आईएनएस ब्रह्मपुत्र पर आग लग गई थी। आग बुझाने के लिए बड़े पैमाने पर पानी पंप किया गया, जिससे युद्धपोत झुक कर पलट गया। इस हादसे में लीडिंग सीमैन सितेंद्र सिंह की मौत हो गई थी। वह उस समय युद्धपोत के मरम्मत कार्य में शामिल थे। जबकि अधिकांश क्रू मेंबर सुरक्षित बाहर निकल गए थे, कुछ ने समुद्र में छलांग लगाकर जान बचाई, लेकिन सितेंद्र सिंह डूब गए। इसके बाद युद्धपोत को नवंबर 2024 में ड्राई डॉक में ले जाया गया और फिर नुकसान का व्यापक मूल्यांकन कर मरम्मत की योजना बनाई गई।

मरम्मत कार्य और आगे की योजना

दूसरे अधिकारी ने बताया कि, मरम्मत चरणबद्ध तरीके से चल रही है। सबसे पहले जहाज की ढांचा, प्रणोदन प्रणाली और बिजली उत्पादन को दुरुस्त किया जा रहा है ताकि फ्लोट और मूव क्षमता बहाल हो सके। युद्धपोत की फाइट यानी हथियार प्रणाली और सेंसर को पुनः सक्रिय करने का कार्य भी समानांतर रूप से चल रहा है। सभी क्षतिग्रस्त उपकरणों को हटाकर डॉकयार्ड की वर्कशॉप में ले जाया जा रहा है, जहां उनकी मरम्मत या रिप्लेसमेंट हो रहा है। युद्धपोत के क्रू सदस्य भी मरम्मत कार्य में तकनीकी सहायता दे रहे हैं।

सुरक्षा पर भी फोकस

हादसे के तुरंत बाद नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने मुंबई का दौरा कर क्षति का जायजा लिया था और पश्चिमी नौसेना कमान को युद्धपोत को दोबारा चालू करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने एक विशेष कार्यबल का गठन किया, जिसकी अध्यक्षता एक रियर एडमिरल कर रहे थे। STF ने नौसेना के जहाजों से जुड़े सुरक्षा और संचालन मानकों पर अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। इस रिपोर्ट की सिफारिशों को सभी नौसेना कमानों और इकाइयों को जारी कर, शीघ्र अमल के निर्देश दिए गए हैं। अप्रैल 2025 में हुई नौसेना कमांडर्स की चार दिवसीय कांफ्रेंस में भी सुरक्षा एक अहम मुद्दा रहा। इस दौरान स्ब्ज्र की रिपोर्ट के आधार पर उठाए गए कदमों की समीक्षा की गई। हालांकि रिपोर्ट आने के बाद भी दो और दुर्घटनाएं घट चुकी हैं।

भाजपा विधायक और शिमला एसपी के बीच विवाद, कार्रवाई के लिए कोर्ट पहुंचे कप्तान

शिमला, एजेंसी। शिमला के पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार गांधी और भाजपा विधायक सुधीर शर्मा के बीच विवाद की स्थिति बन गई है। गांधी ने शनिवार को हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट में एक याचिका दायर कर बिना अनुमति के अदालती कार्यवाही का वीडियो क्लिप प्रसारित करने के मामले में भारतीय जनता पार्टी के विधायक सुधीर शर्मा के खिलाफ कार्रवाई करने का अनुरोध किया। भाजपा विधायक शर्मा ने याचिका के जवाब में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को कानूनी नोटिस भेजा है।

गांधी ने इस मामले की जानकारी देते हुए बताया कि मैंने धर्मशाला से भाजपा विधायक सुधीर शर्मा के खिलाफ उच्च न्यायालय की कार्यवाही का चुनिंदा तरीके से सीधा प्रसारण करने के लिए अदालत में याचिका दायर की है, जो कार्यवाही की अवमानना ??और कॉपीराइट और सूचना अधिनियम का उल्लंघन है।

ऑनलाइन प्रसारित वीडियो में बुधवार को हिमाचल प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीपीसीएल) के मुख्य अभियंता विमल नेगी की मौत की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने का अनुरोध करने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान गांधी के खिलाफ अदालत की टिप्पणी दिखाई गई है।

पुलिस अधीक्षक ने आरोप लगाया कि शर्मा पिछले साल फरवरी में हुए राज्यसभा चुनाव के दौरान विधायकों की कथित खरीद-फरोख्त के 'मास्टरमाइंड' थे। उन्होंने दावा किया कि शर्मा ने दुर्भावनापूर्ण तरीके से उन्हें गलत रूप में पेश किया गया और उनकी छवि खराब की। दूसरी ओर, शर्मा ने एसपी को कानूनी नोटिस भेजकर कहा कि क्लिप में छेड़छाड़ नहीं की गई है और कार्यवाही की 'लाइव स्ट्रीमिंग' की अनुमति अदालत ने ही दी है। उन्होंने एसपी द्वारा दिए गए 'गैर-जिम्मेदाराना और निराधार' बयानों को वापस लेने की मांग की।

केरल सरकार ने तुर्की को दिए थे 10 करोड़, अब पाक से तनाव के बीच थरूर ने उठाए सवाल

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। भारत की ऑपरेशन सिंदूर के तहत वैश्विक कूटनीतिक पहल के बीच केरल सरकार द्वारा 2023 में भूकंप प्रभावित तुर्की को दिए गए ?10 करोड़ के वित्तीय सहायता पर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विदेश मामलों की स्थायी समिति के अध्यक्ष शशि थरूर ने इसे गलत प्राथमिकता वाली उदारता करार दिया, वहीं सीपीआई(एम) सांसद जॉन ब्रिटास ने उन्हें चुनिंदा स्मृति का शिकार बताया। दोनों नेता फिलहाल ऑपरेशन सिंदूर के तहत भेजे गए बहु-दलीय प्रतिनिधिमंडलों का हिस्सा हैं, जिनका उद्देश्य पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ भारत की स्थिति को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर समर्थन दिलाना है।

थरूर अमेरिका, पनामा, गयाना, ब्राजील और कोलंबिया की यात्रा पर गए प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने पाकिस्तान द्वारा तुर्की-निर्मित ड्रोन के इस्तेमाल की रिपोर्टों के संदर्भ में कहा, उम्मीद है कि केरल सरकार अब दो साल बाद तुर्की के व्यवहार को देखकर अपनी गलत उदारता पर विचार करेगी। खासकर जब वायनाड जैसे जिलों को उस 10 करोड़ की जरूरत थी। गौरतलब है कि जुलाई 2024 में वायनाड में भूस्खलनों से करीब 300 लोगों की मौत हुई थी और तीन गांव लगभग पूरी तरह तबाह हो गए थे। थरूर का इशारा इसी संदर्भ में था।

सीपीआई(एम) का पलटवार

राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटास भी प्रतिनिधिमंडल के सदस्य हैं जो जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, मलेशिया और इंडोनेशिया की यात्रा पर गया है। उन्होंने थरूर के बयानों को केरल विरोधी बताया। उन्होंने एक्स पर लिखा, शशि थरूर के लिए मेरे मन में सम्मान है, लेकिन यह टिप्पणी एकतरफा याददाश्त का लक्षण है। क्या उन्हें नहीं पता कि केंद्र सरकार ने खुद 2023 में ऑपरेशन दोस्त के तहत तुर्की को मदद भेजी थी? आपको बता दें कि ऑपरेशन दोस्त भारत सरकार की वह पहल थी, जिसके तहत भूकंप के बाद तुर्की और सीरिया को राहत सामग्री और एनडीआरएफ की टीमें भेजी गई थीं।

केरल सरकार का बचाव

राज्य के वित्त मंत्री के एन बालगोपाल ने थरूर की आलोचना को अनुचित बताया। उन्होंने कहा, 2023 में जब तुर्की में भयानक आपदा आई, तब हमने मानवीय दृष्टिकोण अपनाया। यह सहायता विदेश मंत्रालय के माध्यम से दी गई थी। अब दो साल बाद उस मानवीय मदद को 2025 के सीमा संघर्ष से जोड़ना उचित नहीं है। वायनाड में भूस्खलन के बाद केरल सरकार ने केंद्र से ?2,000 करोड़ की विशेष सहायता मांगी थी। लेकिन राज्य सरकार का आरोप है कि भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने कोई विशेष पैकेज नहीं दिया। इस मुद्दे को लेकर सीपीआई(एम) वायनाड जिले में मार्च निकाल रही है और केंद्र पर उपेक्षा का आरोप लगा रही है।

राजस्थान में 1000 से ज्यादा सरकारी स्कूल होंगे मर्ज ! शिक्षा विभाग ने शुरू की कवायद

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में सरकारी स्कूलों के समेकन की दिशा में प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय ने एक बड़ा कदम उठाया है। राज्य में ऐसे प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों की पहचान की जा रही है,जिनमें 10 या उससे कम विद्यार्थी नामांकित हैं। इस प्रक्रिया का उद्देश्य संसाधनों के समुचित उपयोग,गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की उपलब्धता और शिक्षकों की तैनाती को प्रभावी बनाना है। शिक्षा निदेशालय ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को पत्र भेजकर ऐसे स्कूलों की सूची मांगी है,जिनमें विद्यार्थियों की संख्या बेहद कम है। इसके लिए एक विशेष प्रपत्र भी जारी किया गया है,जिसमें शाला दर्पण पोर्टल के डेटा के आधार पर संबंधित स्कूलों का विवरण भरना अनिवार्य किया गया है। अधिकारियों को यह जानकारी 26 और 27 मई को व्यक्तिगत रूप से जयपुर में भौतिक रूप से प्रस्तुत करनी होगी,चाहे इन तारीखों को अवकाश ही क्यों न हो। यह स्पष्ट किया गया है कि यह प्रक्रिया केवल सामान्य सरकारी स्कूलों पर ही लागू होगी। संस्कृत विद्यालय, महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूल और आवासीय विद्यालयों को इस एकीकरण से बाहर रखा गया है। यदि किसी स्कूल के आसपास एक से अधिक विकल्प समान दूरी पर उपलब्ध हैं,तो उच्च स्तर और सह-शिक्षा वाले स्कूल को प्राथमिकता दी जाएगी।

राज को सताने लगी उद्धव की चिंता

बोले- पवार-ठाकरे ब्रांड को खत्म करने की कोशिश कर रही भाजपा

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे इन दिनों महाराष्ट्र की राजनीति में सुर्खियों में बने हुए हैं। अटकलें हैं कि वह अपने चचेरे भाई उद्धव ठाकरे से हाथ मिला सकते हैं। इस बीच मनसे चीफ ने आरोप लगाया है कि भारतीय जनता पार्टी राज्य की राजनीति से पवार और ठाकरे ब्रांड को खत्म करने की साजिश रच रही है। हालांकि उन्होंने जोर देकर कहा कि इन ब्रांड्स को खत्म नहीं किया जा सकता।

पुणे में एक मराठी समाचार पोर्टल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए राज ठाकरे ने कहा, ठाकरे ब्रांड की बात करें तो मेरे दादा प्रभोधनकार ठाकरे ने महाराष्ट्र पर सबसे पहले गहरा प्रभाव डाला। उसके बाद बालासाहेब ठाकरे, फिर मेरे पिता श्रीकांत ठाकरे जिन्होंने संगीत में पहचान बनाई। बाद में उद्धव और मैंने भी राजनीति में अपनी छाप छोड़ी। ये सही है कि बीजेपी दोनों ब्रांड्स को खत्म करना चाहती है, लेकिन यह संभव नहीं है।

ठाकरे और पवार ब्रांड को खत्म करने की कोशिश: राज ठाकरे ने यह भी कहा कि भले ही नेता

बदल जाएं, लेकिन ब्रांड जीवित रहता है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब महाराष्ट्र की राजनीति में फिर से हलचल मची है। खासकर ठाकरे और पवार परिवारों में विभाजन और संभावित मेल-मिलाप की अटकलों के बीच।

क्या उद्धव-राज मिलन संभव है?: राज ठाकरे के इस बयान ने उद्धव ठाकरे से मेल-मिलाप की संभावना को फिर हवा दी है। हालांकि शिवसेना (यूटीबी) के नेता संजय राउत ने इन चर्चाओं को सिर्फ भावनात्मक संवाद बताया है और स्पष्ट किया है कि अभी कोई गठबंधन की बात नहीं हुई है।

राज ठाकरे ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था, महाराष्ट्र का हित मेरे लिए सबसे ऊपर है। अगर उद्धव ठाकरे साथ काम करने को तैयार हों तो मैं भी अपने मतभेदों को किनारे रख सकता हूं। इस बयान के जवाब में उद्धव ठाकरे ने भी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी थी।

राज ठाकरे ने हाल ही में वायरल हुए एक फोटो का हवाला देते हुए बीजेपी पर निशाना साधा जिसमें मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस एनसीपी के नेताओं अजित पवार, सुनील तटकरे, अशोक चव्हाण, नारायण राणे और छगन भुजबल के साथ बैठे दिखाई दे रहे थे। उन्होंने कहा, ये वही लोग हैं जिनके खिलाफ बीजेपी कार्यकर्ताओं ने वर्षों तक संघर्ष किया। आज वही नेता सत्ता में बैठे हैं। क्या बीजेपी समर्थक खुद को ठगा महसूस नहीं कर रहे होंगे? राज ठाकरे ने पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए कहा कि पाकिस्तान से युद्ध कोई समाधान नहीं है।

गुरुग्राम में 2 साल के अंदर 38 अवैध कॉलोनियां हुई नियमित

गुरुग्राम , एजेंसी। हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय विभाग ने बीते 19 माह में गुरुग्राम की 38 अवैध कॉलोनियों को नियमित किया है। सरकार द्वारा नियमित की गई कॉलोनियों में अब गुरुग्राम नगर निगम की तरफ से लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी।बता दें कि नगर निगम ने 2022 में शहर की 103 अवैध कॉलोनियों को नियमित करने के लिए सर्वे रिपोर्ट शहरी स्थानीय निकाय विभाग को भेजी थी। 103 में से नगर निगम की 38 कॉलोनियां नियमित हो चुकी हैं। इन कॉलोनियों में रहने वाले छह लाख से अधिक लोगों को इससे बड़ी राहत मिली है। अब इन कॉलोनियों में निगम की तरफ से सभी प्रकार की मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। इसको लेकर निगम ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। अब इन कॉलोनियों में निगम की तरफ से सीवर लाइन, पानी की लाइन, सड़क और स्ट्रीट लाइटें लगाने का काम किया जाएगा।

अवैध कॉलोनियों में लोगों को नहीं मिल रही थी सुविधाएं = स्थानीय निवासियों के अनुसार वर्षों से यह कॉलोनियां अवैध श्रेणी में थीं, जिस कारण न तो निगम द्वारा कोई विकास कार्य कराया जा सकता था और ना ही लोग सरकारी योजनाओं का लाभ ले पा रहे थे। सीवर, नालियां, जल निकासी, और रोशनी जैसी बुनियादी सुविधाओं के अभाव में इन कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को कई तरह की भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। सरकार के इस निर्णय के बाद अब नगर निगम यहां विकास कार्यों की योजना बना सकेगा। इन कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को अब साफ-सुथरी सड़कें, नियमित जलापूर्ति, सीवर प्रणाली और सार्वजनिक रोशनी जैसी आवश्यक सुविधाएं मिलने का रास्ता साफ हो गया है। स्थानीय पार्षद और सामाजिक संगठनों ने सरकार के इस कदम का स्वागत किया है। उनका कहना है कि यह फैसला आम नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अधिसूचना के लागू होने के बाद अन्य अनियमित कालोनियों को भी वैधता मिलने की उम्मीद जगी है। निगम ने 50 करोड़ का एस्टीमेट तैयार किया = नगर निगम द्वारा नियमित हुई 38 में से 15 कॉलोनियों में विकास कार्य करवाने के लिए करीब 50 करोड़ रुपये का एस्टीमेट तैयार कर लिया है। अक्टूबर 2023 में नियमित हुई कॉलोनियों में निगम ने छह से ज्यादा कॉलोनियों में तो सीवर लाइन, सड़क और पानी की लाइन डालने के काम भी पूरे करवा दिए हैं। इसके अलावा बाद में जो कॉलोनियां नियमित हुई है उन कॉलोनियों में भी निगम की तरफ से अब लोगों की मांग के अनुसार एस्टीमेट तैयार किए जा रहे हैं।

लोगों को विकास शुल्क जमा करना होगा: नियमित की गई इन कॉलोनियों के निवासियों को नगर निगम में पहले डेवलपमेंट चार्ज जमा करवाना होगा। इसकी एवज में उनको वहां पर मूलभूत सुविधाएं दी जाएंगी। अब नगर निगम में कॉलोनी में विकास कार्य करवाने के लिए डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करेगा और टेंडर प्रक्रिया कर सुविधा देने का कार्य शुरू करेगा। चीफ इंजीनियर, गुरुग्राम नगर निगम, विजय ढाका का कहना है कि नियमित हुई कॉलोनियों में लोगों की मांग के अनुसार लगातार विकास कार्य करवाए जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

कर्मा गांव निवासी मुसाफिर सिंह हुए लापता,पुलिस खोजबीन में जुटी

औरंगाबाद। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कर्मा गांव निवासी मुसाफिर सिंह अपने घर से 2 बजे दिन में समान लेने के लिए औरंगाबाद बाजार गए हुए थे और अपने घर वापस नहीं लौटे। जिसके बाद परिजनों ने काफी खोजबीन किया लेकिन कही कोई सुराग नहीं मिला। जिसके बाद रविवार को परिजनों ने मुफस्सिल थाना में आवेदन देकर गुमशुदगी पर सनहा दर्ज करवाया है। हालांकि उसके बाद पूरा परिवार लोजपा रामविलास पार्टी के जिलाध्यक्ष चंद्रभूषण सिंह उर्फ सोनू सिंह के आवास पर पहुंचे जहां सोनू सिंह ने औरंगाबाद के एसपी अम्बरीष राहुल से बात की जिसके बाद एसपी साहब ने आश्वाशन दिया कि पुलिस सभी तकनीक के माध्यम से मुसाफिर सिंह को खोज रही है।

पटना वीमेंस कॉलेज में आज से शुरू होगा एंट्रेंस टेस्ट, एंट्रेंस टेस्ट के आधार पर मिलेगा एडमिशन

पटना। पटना वीमेंस कॉलेज में एडमिशन के लिए 3 हजार से अधिक की संख्या में छात्राओं ने आवेदन किया है। नए सत्र में छात्राओं का नामांकन एंट्रेंस टेस्ट के आधार पर होगा, जो कल से शुरू हो रही है। एंट्रेंस टेस्ट के मार्क्स के आधार पर मेरिट लिस्ट तैयार की जाएगी। सोमवार को पहले दिन बीसीए, बीबीए की परीक्षा है। एंट्रेंस टेस्ट से जुड़ी सारी जानकारी कॉलेज की वेबसाइट पर जारी कर दी गयी है। 26 मई को बीसीए और बीबीए की परीक्षा सुबह 10-11 बजे और 12-1 बजे होगी। 27 मई को बीएससी की परीक्षा सुबह 10-11 बजे और बीए की 12:30-1:30 बजे होगी। 28 मई को अंग्रेजी ऑनर्स लेने वालों का प्रोफिशिएंसी टेस्ट और वाइवा सुबह 9:30 बजे से शुरू होगी। वहीं, मेरिट लिस्ट की पहली सूची में बीबीए और बीसीए की 29 मई को, बीएससी की 30 मई को जारी होगी। इसके अलावा बीए, बीकॉम, एएमएम, बीएमसी, सीइएमएस, एमबायो, पीजी डिप्लोमा, एमसीए की 31 मई और एमए, एमएससी की 2 जून को मेरिट लिस्ट जारी होगी। पटना वीमेंस कॉलेज में एडमिशन के लिए फॉर्म भरने की डेट को आगे बढ़ाकर 15 मई किया गया था। इससे पहले तक फॉर्म भरने की आखिरी तारीख 30 अप्रैल थी। इस साल तीन नए कोर्स की शुरुआत हो रही है। विभिन्न कोर्स में एडमिशन के लिए आवेदन ऑनलाइन मोड में लिए गए हैं। इनमें एमए हिस्ट्री, एमए इकोनॉमिक्स और बीएससी में क्लिनिकल न्यूट्रीशन एंड डायटेटिक्स है।

पटना में बिजली मिस्त्री की सड़क हादसे में मौत, बिक्रम में वाहन ने बाइक सवार को कुचला

पटना। पटना के बिहटा पतूत मार्ग पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। वाहन ने बाइक सवार युवक को कुचल दिया। हादसे में मनेर निवासी बिजली मिस्त्री संतोष कुमार मोची की मौके पर ही मौत हो गई। घटना पालीगंज अनुमंडल के रानीतालाब थानाक्षेत्र में हुई। संतोष अपनी बाइक से ससुराल बेरर गांव जा रहे थे। पतूत बाजार के पास एक तेज रफ्तार वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों के मुताबिक यह कोई पिकअप वाहन था। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है। थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त बाइक को जब्त कर लिया गया है। फरार वाहन की तलाश में पुलिस टीम लगी हुई है। मृतक बिहटा में बिजली का काम करने के बाद ससुराल जा रहे थे।

वैशाली में बच्चों को तैराकी सिखा रहा आपदा प्रबंधन विभाग, गंगा नदी में 70 बच्चों को दी जा रही ट्रेनिंग

हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर प्रखंड अंतर्गत चेचर क्षेत्र में आपदा प्रबंधन विभाग की अनूठी पहल देखने को मिल रही है। यहां 6 से 18 साल तक के बच्चों को गंगा नदी में तैराकी का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ये ट्रेनिंग 23 जुलाई से 2 अगस्त तक चलेगा। ट्रेनिंग में कुल 70 बच्चे भाग ले रहे हैं, जिन्हें दो बैच में बांटा गया है। प्रत्येक बैच में 35 बच्चे शामिल हैं। बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए गंगा नदी में एक विशेष प्रशिक्षण स्थल तैयार किया गया है, जो 4 फीट गहरा, 60 फीट चौड़ा और 80 फीट लंबा है। आपदा प्रबंधन विभाग की यह योजना साल 2020 में शुरू की गई थी। पहले यह प्रशिक्षण वैशाली के महनार क्षेत्र में आयोजित किया जाता था, लेकिन इस बार चेचर को चयनित किया गया है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को जल सुरक्षा और आपदा से निपटने के व्यावहारिक कौशल सिखाना है। बिदुपुर प्रखंड गंगा नदी से सटा हुआ बाढ़ प्रभावित क्षेत्र है, जहां हर साल बाढ़ आने की संभावना बनी रहती है। ऐसे में तैराकी जैसे जीवनरक्षक कौशल बच्चों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो सकते हैं। यह प्रशिक्षण उन्हें अचानक आने वाली जल आपदाओं से निपटने में मदद करेगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की निगरानी जिला आपदा प्रभारी, डीएम, सीओ, वीडीओ और प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह कदम बच्चों के भविष्य और सुरक्षा की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है।

महुआ बाजार में व्यापारी की गोली मारकर हत्या, लूट का विरोध किया तो मारी गोली

हाजीपुर। वैशाली के महुआ बाजार में शनिवार की रात अपराधियों ने गल्ला व्यवसायी विनोद चौधरी की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना की LIVE तस्वीरें दुकान में लगे CCTV कैमरे में कैद हो गईं, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। वारदात उस समय हुई, जब विनोद चौधरी अपने बेटे राहुल कुमार के साथ दुकान में बैठकर हिसाब-किताब कर रहे थे। उसी दौरान एक बाइक पर सवार तीन बदमाश दुकान में दाखिल हुए। उन्होंने पिस्टल निकालकर लूटपाट शुरू कर दी। धायल राहुल से मोबाइल छीना गया और जब विनोद चौधरी ने रुपयों देने से इनकार किया, तो एक बदमाश ने सीने में गोली मार दी। मौके पर ही विनोद चौधरी की मौत हो गई। राहुल ने साहस दिखाते हुए गोली चलाने के बाद भाग रहे एक बदमाश को पकड़ लिया। स्थानीय लोगों ने उसकी जमकर पिटाई कर दी। पकड़े गए बदमाश ने बताया कि मझिया गांव के सैयक्क नामक युवक ने गोली चलाई और उसे सिर्फ बाइक चलाने के लिए बुलाया गया था। CCTV फुटेज में साफ दिख रहा है कि कैसे बदमाशों ने दुकान में घुसते ही पिस्टल तानी और लूटपाट शुरू कर दी। वारदात के दौरान अपराधियों ने कई राउंड फायरिंग की। इसके बाद जैसे ही वह भागने लगे, राहुल ने एक को दबोच लिया। घटना की सूचना मिलते ही वैशाली एसपी ललित मोहन शर्मा मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि एक आरोपी को पकड़ लिया गया है और बाकी दो की तलाश में पुलिस टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं। एसपी ने कहा कि, "बहुत जल्द बाकी अपराधी भी गिरफ्त में होंगे।" व्यापारी की हत्या के बाद इलाके में गहरा आक्रोश है। स्थानीय दुकानदारों ने कहा कि महुआ बाजार में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं से वे डरे हुए हैं।

सिगरेट को लेकर हुई हत्या में तीसरा आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

- बिहटा में मर्डर के दौरान इस्तेमाल किया गया हथियार बरामद, एक आरोपी अभी भी फरार

पटना। बिहटा थाना क्षेत्र में 16 मई को हुई राकेश कुमार माली की हत्या के मामले में पुलिस ने तीसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी बिहटा के बिशनपुरा गांव निवासी भोला कुमार है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल देसी कट्टा भी बरामद किया है। दानापुर के डीएसपी-2 पंकज मिश्रा ने बताया कि बाजितपुर गांव में हुई इस हत्या का मामला मृतक के भाई मुकेश कुमार ने दर्ज कराया था। मामले में चार लोगों को नामजद किया गया था। पुलिस पहले ही दो आरोपियों को जेल भेज चुकी है। अब भोला कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। चौथा आरोपी पवन कुमार अभी फरार है।

फांसी की मांग: मृतक के बड़े भाई मुकेश कुमार ने सरकार से दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग की है। उन्होंने बताया कि राकेश की पत्नी गर्भवती है। उसकी तीन साल की बेटी भी है। मुकेश ने परिवार के लिए सरकार से मुआवजे की भी मांग की है।

मारपीट के बाद गोली मारी गई थी: 16 को बाजितपुर गांव के मंदिर के पास सिगरेट के पैसे को लेकर हुए विवाद में राकेश कुमार की हत्या की गई थी।

वह विवाह में सजावट का काम करता था। हत्या के दिन भी किसी शादी से लौटा था। गांव के ही दोस्तों ने पहले मारपीट किया। इसके बाद चार दोस्तों में एक कुणाल ने गोली मार दी थी। दो गोली लगने के बाद राकेश कुमार की मौत हो गई थी। वारदात के बाद से सभी आरोपी फरार थे। हत्या के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ था। लेकिन, प्रशासन की मौजूदगी के कारण माहौल शांत हुआ। फिलहाल इस मामले में अभी भी एक आरोपी पवन कुमार फरार है। पुलिस के अनुसार पवन कुमार से ही पहले विवाद हुआ था। राकेश की शादी 4 साल पहले हुई थी।

गर्मी से राहत के लिए दही-चावल खा रहे चिम्पांजी

संवाददाता

- बर्फ की सिल्ली से खेल रहे भालू, कूलर की हवा के साथ ग्लूकोज पी रहे बाघ-शेर

पटना। बिहार में भीषण गर्मी को देखते हुए पटना जू में जानवरों और पक्षियों के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। जू प्रशासन की ओर से जानवरों को हीट स्ट्रोक से बचाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। बाघ और शेर की गुफाओं में ठंडी हवा के लिए कूलर लगाया गया है। वहीं, गर्मी से राहत के लिए भालू बर्फ की सिल्ली से खेल रहे हैं। साथ ही चिम्पांजी के केज में एसी लगाया गया है। जलीय पक्षियों और चीतल, हिरन, सांभर जैसे जानवरों के बाड़े में फॉगर लगाया गया है।

दही-चावल के साथ डाभ पानी पी रहा चिम्पांजी: जू प्रशासन के अनुसार मांसाहारी और शाकाहारी जानवरों के लिए अलग अलग इंतजाम किए गए हैं। गर्मी बढ़ते ही बाघ का भोजन कम हो गया है। 11 किलो के स्थान पर अब यह 9 किलो मीट खा रहा है। चिम्पांजी दही-चावल के साथ डाभ पीने लगा है। उसे अंगूर, सेब, केला और अनार सहित अन्य मौसमी फल दिए जा रहे हैं, ताकि बॉडी में पानी की कमी न हो। वहीं, हाथी को ईख के स्थान पर केले का थम मिलने लगा है। भालू खीर खा रहा है और झड़ने में नहा रहा है। पक्षियों के बाड़े में तपिश कम करने के लिए वॉटर स्प्रिंकलर के इंतजाम किए गए हैं। पक्षियों के बाड़े में पानी का छिड़काव लगातार किया जा रहा है। कर्मचारियों के द्वारा जानवरों की 24 घंटे निगरानी की जा रही है। डॉक्टर भी रूटीन चेक-अप से मॉनिटरिंग करते रहते हैं। इसके साथ ही जलीय पक्षियों के बाड़े में फ़ॉगर लगाया गया है। पक्षियों को पीने के लिए दिए जाने वाले पानी को दिन में दो बार बदला जा रहा है। वहीं, बर्ड फ्लू को देखते हुए हर सोमवार पक्षियों के बाड़े में हल्दी ट्रीटमेंट किया जाता है, ताकि बीमारी न फैले।

32 अस्पतालों का किया गया शिलान्यास

संवाददाता

दाउदनगर (औरंगाबाद) : बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने रविवार को अनुमंडल अस्पताल में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित 32 अस्पतालों का शिलान्यास किया। इन अस्पतालों के निर्माण पर 19 करोड रुपये से अधिक की राशि खर्च होगी। श्री पांडेय ने रिमोट से सभी योजनाओं का शिलान्यास किया। दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। नर्सिंग कालेज की छात्राएं अनूपा कुमारी, अंशु प्रिया, गुड़िया कुमारी और अंशु कुमारी ने स्वागत गान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डीएम श्रीकांत शास्त्री, सिविल सर्जन विनोद कुमार सिंह, चिकित्सा पदाधिकारी शांता कुमारी, डा. नम्रता प्रिया व डा. स्नेह किरण, अश्विनी तिवारी, ठाकुर चंदन सिंह, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक मो.अनवर आलम,एएनएम कॉलेज के प्रभारी प्रचार्य कनक लता, एएनएम द्वितीय वर्ष की छात्राएं लूसी मेहता, रेखा पाल,काजल पटेल, मेधा कुमारी,सारिका कुमारी,कंचन नोनिया निक्की कुमारी,पूनम कुमारी, निशा कुमारी तथा अन्य छात्राएं उपस्थित रहे. जिला योजना समन्वयक नागेंद्र कुमार केशरी ने संचालन किया।

श्री पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का निर्देश है कि गांव की स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए। आधारभूत संरचनाओं को ठीक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब तक वे 20 जिलों में जा चुके हैं और सभी जगह प्रखंड स्तरीय शहर में ही उन्होंने कार्यक्रम किया। उन्होंने कहा कि जिला में भी मेडिकल कालेज और अस्पताल का निर्माण होगा। इसमें कहीं कोई दुविधा नहीं है। पूर्व सांसद सुशील सिंह ने कहा कि केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से औपचारिक या अनौपचारिक मुलाकात जब भी हो तो एनएच 139 के चौड़ीकरण की बात अवश्य करें। उन्होंने मंत्री से मांग की कि इस सड़क का चौड़ीकरण अवश्य होनी चाहिए। कहा कि इसका निर्माण न करने को लेकर अधिकारियों द्वारा जो तर्क दिया जा रहा है उससे ना अभी सहमत हुआ जा सकता है और ना कभी भी भविष्य में सहमत हुआ जा सकता है। यह सड़क आवश्यक है। इसलिए इसका निर्माण हर हाल में होना चाहिए। जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री ने कहा कि जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था बेहतर है। सभी प्रकार की आवश्यक दवाइयां उपलब्ध है। जिले में 39 एंबुलेंस एवं एक शव वाहन सक्रिय है। सदर अस्पताल में 350, अनुमंडल अस्पताल में 257 और हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर पर 110 से अधिक प्रकार की दवाइयां उपलब्ध है.कार्यक्रम में एसडीओ मनोज कुमार, बीडीओ मो.जफर इमाम, भाजपा नगर अध्यक्ष श्याम पाठक, जदयू नेता पप्पू गुप्ता,पुरुषोत्तम सिंह व अन्य शामिल हुए.

अपराधी बुल्ला की पत्नी से बातचीत करता था रौशन, खगौल में विवाद के 6 महीने बाद हत्या

संवाददाता

पटना। दानापुर के खगौल थाना क्षेत्र के मुस्तफापुर में एक हत्याकांड का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। 21 मई की शाम सड़क पर रौशन की हत्या की गई थी। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि रौशन अपने दो दोस्तों के साथ बाइक पर जा रहा था। इस दौरान तीन नकाबपोश युवक दूसरी बाइक पर आए। फिर उसे रोका। रौशन के दोस्त बाइक से उतरकर आगे बढ़ गए।

रौशन और नकाबपोश युवकों के बीच बहस हुई। इसके बाद एक युवक ने उस पर गोली चला दी। धायल रौशन भागकर एक चार पहिया वाहन में बैठा। लेकिन, अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। इस मामले की जांच में पता चला है कि आरोपी बुल्ला की पत्नी से रौशन बातचीत करता था। इसको लेकर पहले भी दोनों में लड़ाई हुई थी।

मुख्य आरोपी बुल्ला फरार: मृतक की मां ने बुल्ला समेत चार लोगों के खिलाफ खगौल थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने घटना के समय मौजूद रौशन के दो दोस्तों, गाड़ी ड्राइवर और एक अन्य व्यक्ति से पूछताछ की है। इन सभी को रोज थाने में हाजिरी लगाने का निर्देश देकर बॉन्ड भरवाकर छोड़ दिया गया है। मुख्य आरोपी बुल्ला अभी फरार है।

6 महीने से विवाद था: बुल्ला पिछले 5-6 महीनों से रौशन के पीछे पड़ा हुआ था। दोनों शराब के कारोबार में साथ थे। क्षेत्र विस्तार और बुल्ला की पत्नी से रौशन की बातचीत को लेकर विवाद हुआ था। 28 जनवरी को लखनीबिगहा में एक चाय की दुकान पर दोनों में झगड़ा हुआ था, जहां बुल्ला ने रौशन के कंधे पर गोली मार दी थी। इस संबंध में दानापुर थाने में पहले से एक मामला दर्ज है।

दो थानों की पुलिस कर रही खोज: घटना के चार महीना बीत जाने के बाद भी पुलिस बुल्ला को गिरफ्तार नहीं कर पाई थी। जबकि, लखनीबिगहा में लोगों का कहना है कि बुल्ला उक्त घटना के बाद रोजाना देखा जा रहा था। पहले बुल्ला को दानापुर पुलिस खोज रही थी। अब खगौल पुलिस खोज रही है। इसके बावजूद गिरफ्तारी नहीं हुई है।

पटना में अपराधियों ने युवक को मारी गोली, एनएमसीएच में भर्ती कराया गया

- हालत गंभीर, गेसिंग कूपन को लेकर था विवाद

संवाददाता

पटना। पटना के अगमकुआं थाना क्षेत्र में शनिवार की देर रात एक युवक को अपराधियों ने गोली मार दी। घटना धनकी मोड़ स्थित बापू परीक्षा परिसर के पीछे हुई। धायल युवक की पहचान धनकी निवासी 28 वर्षीय संजय कुमार के रूप में हुई है। बताया गया कि गेसिंग कूपन को लेकर विवाद था।

NMCH में भर्ती कराया गया: धायल को नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। सूचना मिलते ही सिटी एसपी पूर्वी रामदास दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। अगमकुआं थाना प्रभारी ने बताया कि स्थानीय लोगों की मदद से धायल को अस्पताल पहुंचाया गया।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस: पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। एफएसएल टीम भी मौके पर पहुंची है। पुलिस ने मौके से गोली के दो खोखे बरामद किए हैं। घटना के कारणों का पता लगाने के लिए परिवार के सदस्यों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस संजय कुमार की स्थिति में सुधार होने पर उनका बयान दर्ज करेगी।

गेसिंग कूपन को लेकर हुआ विवाद: पटना सिटी के एएसपी अतुलेश झा ने बताया कि आपसी रंजिश को लेकर अपराधियों ने संजय कुमार को गोली मारी है। संजय का भी अपराधी छवि रहा है। पुलिस का यह मानना है कि प्रारंभिक छानबीन में यह बातें सामने आई है कि संजय और उनके कुछ साथियों के द्वारा गेसिंग कूपन चलाने का काम किया जाता था। इसी को लेकर संजय और दूसरे गुट के बीच विवाद चल आ रहा था। पुलिस यह भी मानती है कि इसी गेसिंग कूपन को लेकर अपराधियों के दूसरे गुट ने शनिवार की देर रात संजय को गोली मारी। धायल अवस्था में संजय को निजी नर्सिंग होम में पुलिस सुरक्षा के बीच इलाज कराया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि संजय ने फर्ज बयान के आधार पर गोली मारने वाले कुछ युवकों का नाम बताया है। जांच प्रभावित होने के कारण पुलिस उस मामले का खुलासा बाद में करेगी।

बीजेपी बोली- तेजस्वी यादव जी, राजनीति एआई से नहीं चलती

संवाददाता

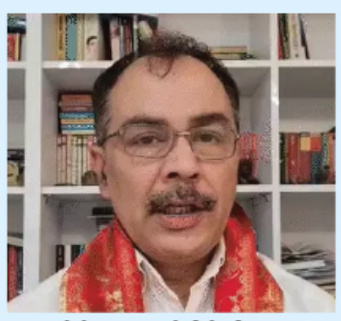

- राजद ने एआई वीडियो जारी कर मुख्यमंत्री और भाजपा को घेरा था, नीरज कुमार बोले- आप नौवीं फेल

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव में सत्ता पक्ष और विपक्ष बड़ी चुनावी रैलियों की जगह एक दूसरे पर सोशल मीडिया के जरिए हमला बोल रहे। चुनावी साल में बीजेपी और आरजेडी AI का इस्तेमाल कर रही है। बीजेपी ने इसकी शुरुआत शनिवार की सुबह गैंग ऑफ घोटालेबाज नाम के वीडियो से की। इसमें लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव को घोटाले का आरोप लगते हुए सवाल खड़ा किया था। इसका जवाब कुछ ही देर बार आरजेडी ने भी वीडियो जारी कर दिया, जिसमें नीतीश कुमार को केंद्र बिंदु में रखकर सवाल खड़ा किया। वहीं, अब आरजेडी के सवालों का जवाब देते हुए फिर बीजेपी ने पलटवार किया। प्रवक्ता नीरज कुमार बोले तेजस्वी यादव जी राजनीति आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से नहीं चलती। यह चलती है own इंटेलिजेंस से, ओरिजिनल इंटेलिजेंस से जो आपके पास तो है नहीं आप नौवीं फेल हैं। आगे कहा, 'जब आप डिप्टी सीएम थे और आप पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा था तो आपको डिप्टी सीएम का पद गवना पड़ा था भूल गए क्या ? बिहार की जनता अब आपके झांसे से में नहीं आने वाली, 2025 में फिर से नीतीश के नारे के साथ एनडीए 225 सीट हासिल करेगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का कोई हथकंडा आपको काम नहीं आएगा।'

बीजेपी ने वीडियो पोस्ट किया था: सुबह जारी वीडियो पोस्ट पर बीजेपी ने गाने के जरिए लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव के घोटाले की बात कही थी। भोजपुरी गाने के जरिए लालू को चारा घोटाला जबकि तेजस्वी को जमीन घोटाले का आरोपी बताया।

आरजेडी ने भी वीडियो से दिया जवाब: बीजेपी के वीडियो के जरिए किए गए हमले के बाद आरजेडी ने भी जवाब दिया है। आरजेडी ने वीडियो जारी किया है, जिसमें नीतीश कुमार को केंद्र बिंदु में रखकर सवाल खड़ा किया है। आरजेडी ने नीतीश कुमार के लगातार गठबंधन बदले जाने पर तंज कसते हुए कहा पलटू बताया गया है। गाने के बोल हैं नीतीश कुमार को कुर्सी का ख्वाब पलटू का खिताब। आरजेडी ने एक और पोस्टर जारी करते हुए एमडीए पर सवाल खड़ा किया है। इस पोस्टर में एक खटारा कार दिखाई गई है, जिसका ड्राइवर नीतीश कुमार को बनाया गया है। साथ ही पीएम मोदी पीछे बैठे हुए हैं। पोस्टर का नाम दिया गया 20 सालों की डबल इंजन खटारा सरकार। बिहार और बिहारियों के लिए एकदम बेकार।

बीजेपी ने एक बार फिर लालू तेजस्वी पर उठाया सवाल: बीजेपी ने ऑलरेडी के वीडियो के बाद एक बार फिर से वीडियो जारी करते हुए लाल के शासन पर सवाल खड़ा किया है। इस वीडियो में एनडीए के पिछले 20 साल के शासन में हुए विकास के काम को दिखाया गए हैं। इस वीडियो में लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी को ऑटो में बिठाकर पटना घूमते हुए दिखाया गया है और विकास के लिए हुए कामों से परिचय कराया जा रहा है।

चुनावी साल में AI तकनीक का खूब हो रहा इस्तेमाल: चुनावी साल में बीजेपी और राजद एक दूसरे पर सोशल मीडिया के जरिए AI तकनीक का खूब इस्तेमाल कर रहे हैं। AI तकनीक के जरिए वीडियो तैयार किया जा रहा है जो देखने में रोचक और आकर्षक भी है। ए तकनीक के जरिए वीडियो को फिल्मी मूवी की तरह तैयार किया जा रहा है जो लोगों के बीच खूब वायरल भी हो रहा है।

संपादकीय
सादगी और निष्ठा

मोतीहारी में गांधीजी कार्यकर्ताओं को निर्देश दे रहे थे- आज अवंतिका आने वाली होगी, उसे स्टेशन से लिवा लाना और कमरे में ठहरा देना। एक ने कहा-बापू उसे इन साधारण कमरों में चटाई पर सोना क्यों पसंद होगा? वह तो पहले दरजे में सफर की आदी है। बापू ने कहा- वह जनसेवक के तौर पर आ रही है। जनसेवक के अनुरूप अगर तीसरे दरजे में आई तो उसे यहीं रखूंगा, वरना वापस भेज दूंगा। पर बापू .... दूसरे ने संकोच में कहा- उनके पास पैसा है, वह भी उन्हीं का कमाया हुआ। उसे खर्च करने में क्या बुराई है? खर्च का मतलब अपव्यय तो नहीं। स्वयं सेवक गांधीजी के सबसे छोटे पुत्र देवदास गांधी के साथ आवंतिका बाई को लेने स्टेशन गए। देवदास ही अकेले उन्हें पहचानते थे। देवदास ने उम्मीद के मुताबिक उन्हें दूसरे दरजे के डिब्बों में खोजा, लेकिन कहीं पता न चला। तब वे निराश होकर वापस आ गए और खबर दी कि अवंतिका बाई इस गाड़ी से नहीं आईं। यह सुनकर सब लोग हंसने लगे। दरअसल अवंतिका अपने पति के साथ पहले ही एक साधारण कमरे में ठहर चुकी थीं। यात्रा उन्होंने तीसरे दर्जे में की थी और बापू की कसौटी पर खुद को खरा साबित किया। शाम को गांधीजी उन्हें समझाने लगे- किस तरह बड़हखा गांव जाकर काम शुरू करना करना है। इस पर कस्तूरबा ने कहा- ये आज ही आए हैं और कल दीवाली है। दीवाली मनाकर जाएं। नहीं ऐसा नहीं होगा, इन्हें कल सुबह ही निकलना होगा। गांधीजी का स्वर तेज था।

पानी का झगड़ा-पाकिस्तान में गृह युद्ध छिड़ा -बलूचिस्तान व सिंध आज़ादी पर अड़ा

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर अगर दशकों पूर्व के इतिहास पर नजर डालें तो अनेकों ऐसे देश मिलेंगे जो पहले अखंड देश थे फिर इन्हींदेशों क्रे राजनीतिक स्वार्थ के चलते गृह युद्ध होते रहे, व देश टूटते रहे, जिसका सटीक उदाहरण अखंड रूस, अखंड भारत है। अखंड भारत को देखें तो उनमें वर्तमान कुछ देशों के साथ पाकिस्तान भी इसमें शामिल था, जिसे लॉर्ड माउंटबेटन ने प्रक्रियात्मक तरीके से नेताओं के आपसी बातचीत से अलग कर दिया,जबकि 1912 के में सिंध गुजरात व मुंबई बॉम्बे प्रेसीडेंसी के अंतर्गत आते थे। फिर 1928 में अंग्रेजों की सरकार के सामने अलग सिंध प्रांत बनाने की मांग की गई जिसकी कमेटी बनाकर सिफारिश पेश की गई।फिर 1936 में मुंबई प्रेसिडेंसी से अलग कर सिंध को एक राज्य बना दिया गया, हालांकि मुंबई प्रेसिडेंसी में बहुमत हिंदुओं का था, व बाकी मुस्लिम जैन सिख इसाई अपेक्षाकृत कम जनसंख्या में थे। फिर 1941 में सिंध राज्य में मुस्लिम आबादी 72परसेंट व हिंदू आबादी 26 पेर्सेंट हो गई यानें जो मुंबई प्रेसिडेंसी बहुसंख्यक में थे वह सिंध राज्य बनने में अल्पसंख्यक में हो गए। 1947 में लॉर्ड माउंटबेटन ने भारत के बंटवारे को मंजूरी दी, फिर 26 जून 1947 को सिंध विधानसभा ने पाकिस्तान में मिलने का फैसला किया, फिर बंटवारे के बाद 1947-48 में 2 लाख हिंदुओं का नरसिंहार किया गया। यानें नेताओं ने अगर मुंबई प्रेसिडेंसी जिसमें गुजरात मुंबई व सिंध शामिल थे, जिसमें बहुमत हिंदुओं का था,को कायम रखने का निर्णय लेते तो आज पूरा सिंध भारत का एक हिस्सा होता। आज हम इस ऐतिहासिक विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि पाक में खैबरपख्तून, बलूचिस्तान के बाद अब सिंध प्रांत भी आजादी के लिए तीव्रता से आंदोलन कर रहा है। हालांकि यह आंदोलन जी एम साईद, नेता ने 1972 से ही शुरू किया था।परंतु अभी सिंध में 176 किलोमीटर लंबी पानी की 6 नई नहरें सिंधु से निकलकर पंजाब भेजने के लिए चेलिस्तान नहर प्रोजेक्ट चल रहा है,जो आज की चिंगारी है तो, दूसरा भारत द्वारा सिंधु जल संधि को निलंबित करना भी पानी की त्राहिमाम मचाने में से एक कारण है।चूंकि भारत से तनाव के बीच पाकिस्तान के सिंध प्रांत में अलग सिंधु देश बनाने की मांग पर जबरदस्त आंदोलन व प्रदर्शन का आगाज जो 1972 से ही चल रहा है तथा भारत के साथ संघर्ष में उलझे पाकिस्तान हुकुमरनों को बुरी खबर आई खबर, पाकिस्तान बलूचिस्तान सिंध की आजादी के लिए उग्र आज उठाई जा रही है,गृहमंत्री का घर जलाने की स्थिति आई इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्धजानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे पानी का झगड़ा,पाकिस्तान में गृह युद्ध छिड़ा, बलूचिस्तान व सिंध आजादी पर पड़ा। साथियों बात अगर हम पाक में सिंध की आजादी के लिए तीव्र आंदोलन चलने की करें तो, भारत से तनाव के बीच पाक के सिंध प्रांत में अलग सिंधुदेश बनाने के लिए जोरदार प्रदर्शन शुरू हो गया है। लोग आपदा में अवसर तलाशने की कोशिश कर रहे हैं और ऐसा लग रहा है कि भारत के हमले का इंतजार कर रहे हैं, ताकि अलग अलग प्रांत के लिए पाकिस्तान से टूटकर अलग देश का निर्माण कर सकें। सिंधुदेश की मांग का मतलब सिंधियों के लिए अलग मातृभूमि का निर्माण करना है, जहां लोगों के साथ कोई भेदभाव ना हो और पाक की सेना उन्हें टॉर्चर ना करे। माना जा रहा है कि सिंधुदेश के निर्माण की मांग पाकिस्तान की सेना की दमनकारी नीतियों का परिणाम है,जिसपर पाकिस्तानी पंजाबियों का कंट्रोल है।भारत के साथ संघर्ष में उलझे पाक को घरेलू मोर्चे पर एक और बुरी खबर मिली है। पाकिस्तान में बलोच के बाद अब सिंध प्रदेश में आजादी की मांग उठने लगी है। सिंध में कई लोगों ने अपने अधिकारों और स्वतंत्रता की मांग को लेकर आंदालेन शुरू कर दिया है। सिंधु देश की वकालत करने वाले एक प्रमुख समूह ने हाल में बड़े पैमाने पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया। इसमें लापता सिंधी राष्ट्रवादियों की रिहाई की मांग की गई। इस दौरान मानवाधिकार के मुद्दे को भी उठाया गया। सिंध प्रांत में आजादी क मांग बलूचिस्तान की तरह ही तेज हो गई है। जय सिंध फ्रीडम मूवमेंट ने एक शांतिपूर्वक धरने का आयोजन किया। इस प्रदार्शन के दौरान लापता और जेलों में बंद राष्ट्रवादियों की रिहाई की मांग की गई। प्रदर्शन कारियों ने सिंधऔरबलूचिस्तान में होने वाले मानवाधिकार उल्लंघनों को वैश्विक स्तर पर उजागर करने की अपील की। सिंध के लोगों को सरकारी नौकरी तभी मिल सकती है, जब उन्हें ऊर्दू आए। इन घटनाओं ने सिंधियों के बीच अलगाव की भावना को लगातार भड़काया है। विभाजन के बाद जो हिंदू भागकर भारत आ गये, उसका लाभ भी सिंध के लोगों को नहीं हुआ,क्योंकि उनकी संपत्तियों पर मुहाजिरों का कब्जा हो गया। इसके अलावा भारत से गये मुसलमानों को ऊर्दू आती थी, लिहाजा उन्होंने सिंध प्रांत के प्रशासन पर अपना कब्जा कर लिया। साथियों बात अगर हम सिंध के नाराज होने की असली वजह की करें तो, चोलिस्तान नहर प्रोजेक्ट तो इस आग की चिंगारी है, चोलिस्तान नहर प्रोजेक्ट- सिंधु नदी, जिसे पाकिस्तान की लाइफलाइन कहते हैं, उसका पानी पंजाब के चोलिस्तान रेगिस्तान में ले जाने के लिए पाकिस्तान की केंद्र सरकार और सेना ने 176 किलोमीटर लंबी छह नहरें बनाने की योजना बनाई, लेकिन सिंध के लोग इसे अपने लिए खतरा मानते हैं, क्योंकि सिंध की खेती, वहां के किसान, और लाखों लोगों की रोजी-रोटी इसी सिंधु नदी पर टिकी है, अगर ये पानी पंजाब की ओर डायवर्ट हुआ तो सिंध में सूखा पड़ सकता है, फसलें बर्बाद हो सकती हैं और पूरा इलाका रेगिस्तान बन सकता है, सिंध के लोगों ने सड़कों पर उतरकर इसी प्रोजेक्ट का विरोध किया। सिंध के किसानों को डर है कि उनकी फसलें मर जाएंगी, उनके बच्चे भूखे रह जाएंगे, और ये सिर्फ किसानों की बात नहीं है-राजनीतिक दल, धार्मिक संगठन, वकील, और एक्टिविस्ट, सब इस विरोध में शामिल हैं।हिंसा और राजनीतिक अराजकता चोलिस्तान नहर प्रोजेक्ट के खिलाफ सिंध में महीनों से प्रदर्शन चल रहे थे, पिछले महीने पाकिस्तान की काउंसिल ऑफ कॉमन इंटरेस्ट्स ने इस प्रोजेक्ट को रद्द कर दिया था, लेकिन सिंध के लोग कहते हैं, हमें भरोसा नहीं, हमें लिखित में चाहिए कि ये प्रोजेक्ट पूरी तरह बंद हो,और जब केंद्र सरकार ने उनकी बात नहीं सुनी तो गुस्सा फूट पड़ा, 21 मई 2025 को प्रदर्शनकारियों ने गृह राज्यमंत्री का घर तक फूंक डाला, देखा जाए तो ये जल संग्राम सिर्फ पानी की लड़ाई नहीं है. सिंध में आजादी की आवाजें भी बुलंद हो रही हैं।जय सिंध फ्रीडम मूवमेंट ने 17 मई को बड़े प्रदर्शन किए, जिसमें लोग सिंध की स्वायत्तता और पाक सेना के खिलाफ नारे लगा रहे थे, बलूचिस्तान में पहले से आजादी का आंदोलन चल रहा है और अब सिंध भी उसी रास्ते पर है।सिंध में भी हो रही है आज़ादी की मांगखबरों के मुताबिक सिंध प्रांत में पानी की किल्लत को लेकर लोग लंबे समय से नाराज हैं, हालांकि इस वक्त सिंध प्रांत में जिस तरह का माहौल है, उसे देखते हुए इस तरह घटना को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, यहां पर शांतिपूर्ण आंदोलन और प्रदर्शनों के जरिये ही सही लेकिन लोग पाकिस्तान से अलग होने की मांग कर रहे हैं,जेएसएफ एम यानि जय सिंध फ्रीडम मूवमेंट के लोगों ने हाल ही में पाकिस्तान के मुख्य हाईवे पर इस मांग को लेकर प्रदर्शन भी किया था, जिसमें सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया था। साथियों बात अगर हम पाक में जल संकट के दौर में भारत द्वारा सिंधु जल संधि को निलंबित कर दोनों तरफ से मार की करें तो, पाकिस्तान टूडे के मुताबिक सिंध प्रांत पहले से ही जल संकट का सामना कर रहा है। 1999 से 2023 के बीच, सिंध को औसतन 40 परसेंट जल की कमी का सामना करना पड़ा था, जबकि पंजाब में यह कमी 15 पेर्सेंट थी। इस जल संकट के कारण 2.5 मिलियन एकड़ आम के बागान और अन्य फसलें सूखने की कगार पर हैं। इसके अलावा, समुद्री जल के अतिक्रमण से तटीय क्षेत्रों की कृषि भूमि भी प्रभावित हो रही है। सिंध में विभिन्न राजनीतिक दलों, नागरिक संगठनों और किसान संघों ने विरोध प्रदर्शन किए हैं।पी पीपी पार्टी लरकाना से ठट्टा तक रैलियों का आयोजन किया, जबकि सिंध यूनाइटेड पार्टी, सिंध अबादगार इत्तेहाद और जेय सिंध कौमी महाज जैसे संगठनों ने भी विरोध में भाग लिया है। साथियों बातें कर हम गृहमंत्री का घर जलाने वाली गंभीर घटना की करें तो, पाकिस्तान के सिंध प्रांत में पानी को लेकर जबरदस्त हिंसा की गई है। पानी को लेकर कई हफ्तों से चल रहा ये बवाल अब हिंसक हो चुका है।

जिस राष्ट्र में चरित्रशीलता नहीं है उसमें कोई योजना काम नहीं कर सकती।
- विनोबा भावे

कुल की प्रतिष्ठा भी विनम्रता और सदव्यवहार से होती है, हेकड़ी और रुआब दिखाने से नहीं।
- प्रेमचंद

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्व शुक्रोदय पूर्वे तिथि चर्तुदर्शी, सोमवासरे, भरणी नक्षत्रे, शोभन योगे, शशि करणे, मेष की चंद्रमा, 12 बजे दिन तक, 12 बजे के बाद वृष राशि की चंद्रमा, वट सावित्री व्रत, श्राद्ध अमावस्या 30 दिन के 8/53 सर्वार्थ सिद्ध योग, सुबह पूर्व की यात्रा शुभ, दोपहर बाद दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ होगी|

आज जन्म लिए बालक का फल

आज जन्म लिया बालक यौग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, धनीमानी, बैंक कार्मचारी, लिपिक कैशियर, लेखा पाल तथा प्रबंधक होगा।

मेष राशि :- स्त्री-वर्ग से हर्ष-उल्लास, अधिकारी का समर्थन फलप्रद होगा, मनोनुकूल कार्य बना लेंगे।

वृष राशि :- योजनायें फलीभूत हों, शुभ-समाचार प्राप्ती से हर्ष, रुके कार्य बन जायेंगे।

मिथुन राशि :- धन लाभ, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, बिगड़े हुये कार्य अवश्य ही बनेंगे।

कर्क राशि :- कार्य-व्यवस्था की चिन्ता बनी ही रहेगी, प्रयास करने पर लाभ होगा, ध्यान दें।

सिंह राशि :- भोग-एश्वर्य की प्राप्ति होगी, कार्यगति उत्तम, सुख के साधन बनें।

कन्या राशि :- आर्थिक योजनापूर्ण हो, समय पर सोचे कार्य पूर्ण होंगे, ध्यान दें।

तुला राशि :- पारिवारिक बाधायें परेशान करेंगी, विरोधी तत्व कष्टप्रद रहें, ध्यान दें।

वृश्चिक राशि :- मानसिक बेचैनी , उद्विघ्नता से बचें तथा समय से लाभांवित होंगे।

धनु राशि :- कुटुम्ब की समस्यायें कष्टप्रद हों तथा व्यर्थ भ्रमण से व्यय होगा।

मकर राशि :- योजनायें फलीभूत हों, सफलता के साधन जुटायें तथा कार्य बनें, ध्यान दें।

कुंभ राशि :- स्वाभाव में खिन्नता, मानसिक बेचैनी तथा मानसिक कष्ट से शारीरिक पीड़ा होगा।

मीन राशि :- तनाव-क्लेश व अशांति बनेगी, परिश्रम विफल होगा, कार्यगति मंद होगी।

5.50 लाख मस्जिदों के ईमाम नहीं पढ़ाएंगे जनाजे की नमाज

सनत जैन

ऑल इंडिया इमाम आर्गेनाइजेशन के चीफ इमाम डॉक्टर अहमद इलियासी ने एक फतवा 27 अप्रैल को जारी किया है। जिसमें कहा गया है, आतंकवादी शैतान होता है। किसी भी आतंकवादी के साथ शैतान की तरह ही व्यवहार किया जाना चाहिए। उन्होंने अपने फतवे में कहा कि भारत के अंदर कोई भी आतंकवादी मारा जाता है, ऐसी स्थिति में उसके जनाजे की नमाज कोई ईमाम नहीं पढ़ाएगा। भारत के कब्रिस्तान में उसे दफनाया भी नहीं जाए। उन्होंने 5.50 लाख मस्जिदों के इमाम को फतवा भेजा है। लव जिहाद के मामले में भी इलियासी ने चिंता जाहिर करते हुए कहा है, समाज में कुछ लोग नाम और पहचान छुपाकर शादी या निकाह करते हैं, यह गलत है। इलियासी ने कहा कि इस्लाम, शांति प्रेम और सहिष्णुता का धर्म है। इस्लाम आतंकवाद का धर्म नहीं है। डॉ. इलियासी ने पहलगाम आतंकी घटना के बाद भारतीय सेना द्वारा जो ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया, उसकी सराहना की। उन्होंने कहा कि सेना ने आतंकवाद के खिलाफ सटीक और सही जवाब दिया है। यह आपरेशन भारत के लिए गर्व की बात है। उन्होंने बलूचिस्तान को भी स्वतंत्रता देने की वकालत की। डॉ इलियासी ऑल इंडिया इमाम ऑर्गेनाइजेशन के चीफ इमाम है, उन्होंने जो फतवा जारी किया है, निश्चित रूप से उसका पालन भारत की सभी मस्जिदों और कब्रिस्तानों में होगा। आतंकवादियों के जनाजे की नमाज कोई इमाम नहीं पढ़ाएगा, तो मुस्लिम समाज के बीच में इसका एक बेहतर संदेश जाएगा। इसके साथ ही भारत के सभी वर्गों के नागरिकों के बीच में भी यह संदेश जाएगा। मुस्लिम धर्म को मानने वाले लोग आतंकवादियों को शैतान मानते हैं। अत: जो आतंकवादी यह मानकर चलते हैं, वह इस्लाम की लड़ाई लड़ रहे हैं, उन्हें मरने पर जन्नत नसीब होगी। इस फतवे ने आतंकवादियों को भी बड़ा संदेश दे दिया है। इस्लाम में आतंक के लिए कोई स्थान नहीं है। इस्लाम में आतंक को शैतान का कार्य माना गया है। शैतान का मस्जिद में प्रवेश हो ही नहीं सकता है। शैतान मरते हैं, तो उनके जनाजे की नमाज भी मस्जिद में नहीं होनी चाहिए। यह संदेश देकर उन्होंने भारत में इस्लाम धर्म और भारत के सभी धर्म के बीच के भाईचारे को मजबूत करने का काम किया है। निश्चित रूप से किसी भी धर्म के मूल में शांति, सद्भाव और सेवा का ही वर्णन मिलता है। सभी धर्म में मानवीय आचरण में शांति, प्रेम और सद्भाव को ही धर्म बताया गया है। जिस तरह से मुस्लिम समाज के इमाम डॉक्टर अहमद इलियासी ने जब सारी दुनिया में आतंकवाद बढ़ रहा है, ऐसे समय पर उन्होंने आतंकवादियों के खिलाफ फतवा जारी करके मुस्लिम समुदाय के साथ-साथ भारत और दुनिया के सभी देशों के नागरिकों को शांति का संदेश देने की कोशिश की है। इसकी जितनी सराहना की जाए, कम है। इसके साथ ही अन्य धर्म के धार्मिक गुरुओं को भी आगे आकर शांति, प्रेम और सद्भाव का संदेश देना चाहिए। तभी मानवीय समाज का उत्थान और विकास संभव है। भारत इस मामले में दुनिया के सभी देशों में सबसे अलग है। हजारों वर्षों से भारत में विभिन्न संस्कृति, विभिन्न धर्मों और विभिन्न भाषाओं के लोग यहां पर रहते हैं। जैसे पानी में दूध या तो दूध में पानी मिलकर एक दूसरे में आत्मसात हो जाते हैं। ठीक उसी तरह से भारत की संस्कृति वसुदेव कुटुंब की रही है। भारत की संस्कृति में प्रकृति की पूजा का प्रावधान है। भारत में जन्म लेने वाले और रहने वाले सभी लोग एक दूसरे की संस्कृति और एक दूसरे के विचारों को आत्मसात करते हैं। जिसके कारण ही भारत दुनिया का सर्वश्रेष्ठ देश अनादिकाल से है, आगे भी रहेगा। हाल के वर्षों में जिस तरह से सांप्रदायिक उन्माद फैलाया जा रहा है। धर्म की सीढ़ी के माध्यम से सत्ता प्राप्त करने के लिये जिस तरह का आतंक फैलाया जा रहा है। यह सभी को समझ आने लगा है। पहलगाम की साजिश घटना को जिस तरह से हिंदू और मुस्लिम के बीच तनाव पैदा करने की कोशिश आतंकवादियों और सत्ता में बैठे हुए कुछ लोगों द्वारा की गई थी, उसे भारत के लोगों ने नकार दिया है। भारतीय मुसलमानों ने पहलगाम की इस आतंकवादी घटना के बाद जिस तरह से सारे देश और दुनिया को आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता संदेश दिया है। वह निश्चित रूप से सराहनीय है। इसका असर दीर्घकालीन होगा। आतंकवाद के खिलाफ सभी धर्मों के धर्म गुरुओं को आगे आकर धर्म को आगे करके जो आतंकवाद की लड़ाई हो रही है, आहुति डालनी होगी।

मनुष्य के मौलिक सृजन को संरक्षित करना बड़ी चुनौती

ललित गर्ग

(विश्व बौद्धिक सम्पदा दिवस- 26 अप्रैल 2025)

रचनात्मकता, सृजनात्मकता और संरचनात्मकता मनुष्य की स्वाभाविक वृत्ति है, मानव की इन मौलिक विशेषताओं एवं उपलब्धियों को उचित सम्मान मिले, उचित प्रोत्साहन एवं पारिश्रमिक मिले, ऐसे नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए ही हर साल 26 अप्रैल को विश्व बौद्धिक संपदा दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य बौद्धिक संपदा (आईपी) के बारे में जागरूकता बढ़ाना है और नवाचार तथा रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने में आईपी की भूमिका को उजागर करना है। कृत्रिम बौद्धिकता के दौर में मानव की स्वतः स्फूर्त बौद्धिकता का संरक्षण, संवर्द्धन एवं प्रोत्साहन ज्यादा जरूरी है। 2025 की थीम 'आईपी और संगीतः आईपी की धड़कन महसूस करें' है। यह संगीत उद्योग में बौद्धिक संपदा (आईपी) की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देता है, इस थीम का उद्देश्य आईपी के माध्यम से संगीत रचनाकारों की रचनाओं की रक्षा करना और उन्हें उनके काम के लिए उचित मान्यता दिलाना है। 26 अप्रैल को विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के लिए इसलिए चुना गया क्योंकि इसी दिन 1970 में विश्व बौद्धिक संपदा संगठन की स्थापना करने वाला कन्वेंशन लागू हुआ था। यह दिन बौद्धिक संपदा अधिकारों जैसे पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क आदि के महत्व को उजागर करता है, जो नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। बौद्धिक संपदा दिमाग की रचनाओं से संबंधित है, जैसे आविष्कार, साहित्यिक सृजन, संगीत, कला और कलात्मक कार्य, डिजाइन और व्यापार में उपयोग किए जाने वाले प्रतीक, नाम और चित्र आदि। ऐसे रचनात्मक काम जो पहले नहीं किया गया हो, ये हमारी बौद्धिक संपदा है। इस रचनात्मक सम्पदा का कोई दूसरा अनाधिकृत उपयोग नहीं सके, इसके लिए हमें अपनी बौद्धिक संपदा को सुरक्षित एवं संरक्षित करवाना चाहिए। इसी उद्देश्य से यह दिवस बौद्धिक संपदा संरक्षण के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देता है, दुनियाभर में बौद्धिक संपदा संरक्षण के प्रभाव को विस्तार देता है, देशों से बौद्धिक संपदा संरक्षण कानूनों और विनियमों को प्रचारित और लोकप्रिय बनाने का आग्रह करता है, बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में सार्वजनिक कानूनी जागरूकता बढ़ाता है। इसके साथ ही इसका बड़ा उद्देश्य है विभिन्न देशों में आविष्कार-नवाचार गतिविधियों को प्रोत्साहित करना और बौद्धिक संपदा क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय आदान-प्रदान को मजबूत करना है। भारत भी विश्व बौद्धिक संपदा संगठन का सदस्य है। इस संगठन की स्थापना 14 जुलाई 1967 को हुई थी, जिसका मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उद्भव एवं प्रचलन का बौद्धिक संपदा (आईपी) ढांचे पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है, जो एक बड़ी चुनौती है। हमें एआई जैसे नवाचार प्रोत्साहनों के उभरते परिदृश्य और मौजूदा आईपी ढांचे के लिए इसके द्वारा उत्पन्न चुनौतियों पर मंथन करना होगा। पेटेंट योग्यता दुविधाओं से लेकर कॉपीराइट पहेली तक, हम पाते हैं कि तेजी से तकनीकी प्रगति के बीच नवाचार को बढ़ावा देने और सामाजिक हितों की रक्षा करने के बीच एक नाजुक संतुलन है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकी और इंटरनेट के साथ हमारे संपर्क के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है। जैसे-जैसे एआई अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रहा है, इसका बौद्धिक संपदा के संरक्षण पर चुनौतीपूर्ण गहरा प्रभाव पड़ रहा है। चैटजीपीटी जैसे एआई चैट बॉट अविश्वसनीय रूप से परिष्कृत मानव-जैसे लिखित उत्तर दे सकते हैं, क्योंकि भाषा मॉडल की प्रश्नों और कार्यों को समझने और उन टेक्स्ट और डेटा के आधार पर प्रतिक्रियाएं देने की क्षमता है, जिन पर इसे प्रशिक्षित किया गया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता अन्य क्षेत्रों में भी भी जैसे कला, लेखन, युद्ध, व्यापार, प्रबंधन, संगीत, फिल्म-निर्माण आदि में भी दखल बढ़ रहा है। एआई सार्वजनिक क्षेत्र में पहले से कहीं ज्यादा है और व्यवसाय में इसकी भूमिका दिनोंदिन बढ़ रही है। इसी के साथ बौद्धिक सम्पदा के सम्मुख सोशल मीडिया भी एक बड़ी चुनौती है। क्योंकि सोशल मीडिया के दौर में हर कोई दूसरों की रचनात्मकता एवं मौलिक सृजन को अपना बता कर पेश कर रहा है। इसलिए हर व्यक्ति को अपनी बौद्धिक संपदा के लिए जागरूक होना होगा। प्रत्येक व्यक्ति में कुछ अलग और रचनात्मक एवं मौलिक काम करने की क्षमता होती है। हम अपनी बौद्धिक संपदा को पांच तरीके से संरक्षित कर सकते हैं। इसमें पहला है कॉपीराइट, दूसरा पेटेंट, तीसरा ट्रेडमार्क, चौथा है औद्योगिक डिजाइन और पांचवा है भौगोलिक संकेतक। अगर आप कुछ लिखते हैं, जो आपका मौलिक लेखन है तो आप कॉपीराइट करा सकते हैं। इसके बाद व्यापार के क्षेत्र में होता है ट्रेडमार्क, जो आपका सिंबल होता है, जो किसी संस्था, कंपनी की पहचान के लिए होता है, उसे अगर ट्रेडमार्क करवा सकते हैं तो कोई दूसरा उस सिंबल का उपयोग नहीं कर सकेगा। अगर आपने कोई आविष्कार किया है तो उसे पेटेंट करा कर सुरक्षित रख सकते हैं। इसके बाद आता है औद्योगिक डिजाइन और भौगोलिक संकेतक। इस वर्ष की थीम संगीत पर केन्द्रित है। संगीत ने हमेशा लोगों को जोड़ने, बदलाव को प्रेरित करने और सांस्कृतिक विकास को आगे बढ़ाने में एक अनूठी भूमिका निभाई है। यह विषय इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे आईपी अधिकार संगीतकारों और अन्य संगीत रचनाकारों की रचनाओं की रक्षा करते हैं। विश्व बौद्धिक संपदा दिवस डब्ल्यूआईपीओ का सबसे बड़ा बौद्धिक संपदा (आईपी) सार्वजनिक जनजागृति अभियान है। कॉपीराइट और अन्य बौद्धिक संपदा अधिकार संगीत उद्योग की प्रभावी मदद करते हैं। वे सुनिश्चित करते हैं कि संगीत रचनाकारों को उनके काम का श्रेय और भुगतान मिले। यह दिन यह भी दिखाएगा कि इन अधिकारों की मदद से संगीत को बेहतर बनाने में रचनात्मकता और नए विचार कितने महत्वपूर्ण हैं। आधुनिक समय में संगीत बौद्धिक एवं आर्थिक सम्पदा का बड़ा माध्यम है। आज की आपाधापी, तनाव एवं अवसादपूर्ण जीवन में संगीत ही एक ऐसा माध्यम है जो शांति, सुकून एवं आनन्द प्रदत्त कर सकता है। संगीत सुनने से इंसान को अलौकिकतता का अहसास होता है। डॉक्टर भी संगीत को सेहत के लिए फायदेमंद मानते हैं।

सूडोकु नवताल- 7441

★★★★★ कठिनतम

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7440 का हल

6	3	8	5	2	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	9	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

इतिहास बना सियासी हथियार : मुस्लिम शासक पाठ्यक्रम से गायब

राम पुनियानी

नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 पर धीरे-धीरे अमल किया जा रहा है। अन्य बातों के अलावा, इसमें भारतीय ज्ञान प्रणाली एवं भारतीय परंपराओं को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। इतिहास विषय के पाठयक्रम में यह बदलाव किया गया है कि दिल्ली सल्तनत एवं मुगल शासन का विवरण पुस्तकों से हटा दिया गया है। मतलब करीब सात सौ सालों के इतिहास को मिटा दिया गया है। यह किसी भी पैमाने पर एक लंबा कालखंड है। एनसीईआरटी ने पहले मुगलों और दिल्ली सल्तनत का विवरण कम कर दिया था - जिसमें तुगलक, खिलजी, ममलुक और लोधी साम्राज्यों की जानकारी और दो पृष्ठों की तालिका, जिसमें मुगल सम्राटों की उपलब्धियां की जानकारी थी, को हटाना शामिल था। यह विवरण 2022-23 में कोविड-19 महामारी के दौरान पाठ्यक्रम को युक्तिसंगत बनाने के बहाने हटा दिया गया था। अब नई पाठ्यपुस्तक में उनका विवरण पूरी तरह से गायब कर दिया गया है।' दिल्ली सल्तनत और मुगल शासकों का विवरण कक्षा 7 की पाठ्यपुस्तक से पूरी तरह हटा दिया गया है। इसके अलावा जिन अन्य पाठ्युपुस्तकों में जहां भी मुस्लिम शासकों का जिक्र था, उसे भी हटा दिया गया है। बाबरी मस्जिद ढ़हाए जाने के बाद मुंबई में हुई हिंसा (1992-1993) और गोधरा ट्रेन आगजनी के बाद गुजरात में हुई हिंसा (2002) का विवरण भी विलोपित कर दिया गया है। कई अन्य बातों के अतिरिक्त नाथूराम गोडसे के एक प्रशिक्षित आरएसएस प्रचारक होने और गांधीजी की हत्या के बाद आरएसएस पर प्रतिबंध लगाए जाने की बात भी हटा दी गई है। कुंभ मेले का विवरण दिया गया है लेकिन वहां हुई भगदड़ में हुई मौतों और दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ का कोई जिक्र नहीं है। इस सबकी शुरूआत कोविड के दौरान हुई जब विद्यार्थियों का बोझा कम करने के बहाने पाठ्यक्रम से कुछ सामग्री हटाई गई और उसके बाद 'युक्तियुक्तकरण' का तर्क देते हुए ऐसा किया गया। हटाया गया हिस्सा वह था जिसे लेकर हिंदू राष्ट्रवादी विचारधारा वाले असहज महसूस करते थे। मुसलमानों का दानवीकरण करने और उनके खिलाफ घृणा फैलाने के लिए मुगलों को इतिहास के प्रमुखतम खलनायकों के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। मुगलों के पहले के अलाउद्दीन खिलजी जैसे शासक भी हिंदुत्ववादी आख्यान के निशाने पर रहे हैं। अब तक मुसलमानों का दानवीकरण मुस्लिम राजाओं द्वारा मंदिरों को नष्ट किए जाने पर आधारित होता था, जिसे तर्कवादी इतिहासकार चुनौती देते रहे हैं। मुस्लिम राजाओं द्वारा तलवार की नोंक पर इस्लाम फैलाया जाना भी इसका एक आधार रहा है। यह बात पूरी तरह गलत है क्योंकि शुरूआती दौर में हिन्दुओं के इस्लाम स्वीकार करने की वजह मुस्लिम अरब व्यापारियों के साथ भारतीयों का मेल-मिलाप था। बाद में निचली जातियों के कई लोगों ने जाति प्रथा पर आधारित जुल्मों से मुक्ति पाने के लिए इस्लाम अपनाया। हिंदुत्व विचारधारा तो इस हद तक आगे बढ़ गई है कि उसने इस कालखंड को अंधकारमय दौर बताया जिसमें हिंदुओं को व्यापक नरसंहार किया गया। इसमें कोई शक नहीं कि साम्राज्यों के दौर में राजनैतिक वजहों से युद्ध होना आम बात थी। राजा सदैव अपने साम्राज्य का विस्तार करना चाहते थे और इस प्रक्रिया में बहुत से लोगों को अपनी जान गवांना पड़ती थी। लेकिन इसे व्यापक नरसंहार बताना पूरी तरह गलत है। हिन्दुत्व आख्यान के मूल में है साम्प्रदायिक नजरिए से इतिहासलेखन जो अंग्रेजों ने अपनी 'फूट डालो और राज करो' की नीति के तहत करवाया था। इसमें राजाओं के समस्त निर्णयों को उनके धर्म से जोड़ा जाता है और राजाओं को उनके धार्मिक समुदाय के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। हिन्दू साम्प्रदायिक इतिहासलेखन में एक कदम और आगे बढ़कर यह दावा किया गया कि मुसलमान और ईसाई 'विदेशी' थे जिन्होंने हिन्दुओं को सताया। मुस्लिम साम्प्रदायिक इतिहासलेखन में इसी सिक्के के दूसरे पहलू को दिखाया गया जिसमें मुसलमान शासक थे और हिन्दू उनके अधीन उनकी प्रजा थे। उन्होंने यह तस्वीर प्रस्तुत की कि मुसलमानों का यहां का शासक होना पूर्णतः तर्कसंगत था। यह नजरिया बाद में अंग्रेजों के लिए बहुत मददगार साबित हुआ और उन्होंने हमारे मिले-जुले समाज को बांटकर हमारे देश को दो भागों - भारत और पाकिस्तान में बांट दिया। सावरकर ने यह मत व्यक्त किया कि इस देश में दो राष्ट्र हैं, और जिन्ना ने इसी बात को आगे बढ़ाते हुए मुसलमानों के लिए एक अलग राष्ट्र, पाकिस्तान की मांग सामने रख दी। पाकिस्तान अपने निर्माण के समय से ही मुस्लिम साम्प्रदायिकता के चंगुल में फंस गया और जहां तक वहां की पाठ्यपुस्तकों का संबंध है, उन्होंने पाकिस्तान का उद्भव मोहम्मद बिन कासिम के समय, यानि आठवीं शताब्दी से प्रस्तुत किया।

गोभीवर्गीय में पोषक तत्वों की आवश्यकता

भूरापन या ब्राउनिंग

यह समस्या गोभीवर्गीय फसलों में बोरान की कमी से होता है।

लक्षण

भूरापन में शुरूआत में फूल में जल अवशोषित धब्बे पड़ जाते हैं, जो कि बाद में बड़े हो जाते हैं। इसके बाद तने में भी जल अवशोषित धब्बे पड़ते हैं तथा तना अंदर से खोखला हो जाता है। यदि भूरापन का प्रकोप ज्यादा होता है तो पूरा फूल में कुछ दिन बाद गुलाबी या भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं।

उपचार

बोरान की कमी को दूर करने के लिये 10-15 किलो बोरेक्स प्रति हेक्टर भूमि में पौध रोपण के समय देना चाहिए अथवा जब फसल खड़ी हो 0.1 प्रतिशत बोरेक्स घोल का छिड़काव करना चाहिए प्रथम छिड़काव पौध रोपण के दो सप्ताह पश्चात और दूसरा छिड़काव फूल बनने से दो सप्ताह पहले करना चाहिए।

व्हिपटेल

यह लक्षण गोभीवर्गीय फसलों में मालीब्डिनम नामक तत्व की कमी के कारण होता है।

लक्षण -

मुख्यत: मालीब्डिनम की कमी अम्लीय भूमि में हो जाती है अर्थात् मालीब्डिनम अनुपलब्ध रूप से हो जाता है, जिससे पौधे इस तत्व का अवशोषण नहीं कर पाते और व्हिपटेल के लक्षण दिखाई देते है, इसमें शुरूआत में पौधे की वृद्धि रुक जाती है और पत्तियाँ सिकुड़ कर सफेद पड़ने लगती हैं तथा कुछ दिन बाद पत्तियां अपना आकार खो देती हैं और मिडरिब के अलावा शेष भाग सूख जाता है, जिसके कारण इसे सामान्यत: व्हिपटेल कहा जाता है।

उपचार -

मालीब्डिनम की कमी को दूर करने के लिए अम्लीयता कम करने के उद्देश्य से 50-70 क्विंटल बुझा चूना प्रति हेक्टर खेत की तैयारी के समय भूमि में मिला देना चाहिए। इसके साथ ही पौध रोपण के पहले 2.5 से 5 किलो सोडियम मालीब्डेट प्रति हेक्टर भूमि में मिला देना चाहिए अथवा खड़ी फसल में 0.05ज् सोडियम मालीब्डिेट घोल का पौधों पर छिड़काव करना चाहिए।

बटनिंग

बटनिंग की समस्या गोभी वर्गीय फसलों के कई कारणों से होती है जैसे अधिक उम्र के रोप के कारण, नाइट्रोजन की कमी के कारण या समय के अनुसार उचित किस्मों को ना लगाने से ऐसा होता है।

लक्षण

फूलों का विकसित ना होकर छोटा रह जाना बटनिंग कहलाता है। इसमें फूलों का आकार छोटा हो जाता है तथा कम विकसित पत्तियाँ होती हैं।

उपचार

बटनिंग को रोकने के लिये अगेती या पिछेती किस्में अनुशंसित समय पर ही लगाएं, पौधे की वृद्धि चाहे वह नर्सरी में हो या खेत में नहीं रूकनी चाहिए। अधिक सिंचाई न करें। जो पौधा नर्सरी में अधिक दिन के हो उन्हें खेत में न लगाएं और नाइट्रोजन की उचित मात्रा पौधों को समय-समय पर दें।

रेसीयनेस

रेसीयनेस के लक्षण मुख्यत: वातावरण में अनुकूल तापमान की कमी, अधिक नाइट्रोजन देने के कारण तथा अधिक आर्द्रता के कारण होती हैं।

लक्षण

समय से पूर्व अविकसित कली को रेसीयनेस कहते हैं। इसमें फूल की ऊपरी सतह ढीली पड़ जाती है तथा सफेद छोटी कलिका बन जाती है।

उपचार

रेसीयनेस से उपचार के लिये उचित किस्म का चयन करें, समय पर पौधों की रोपाई करें, नाइट्रोजन की उचित मात्रा का प्रयोग करें तथा प्रतिरोधी किस्मों का चयन करें।

अन्धता

अन्धता गोभीवर्गीय फसलों से पौधे की वृद्धि के शुरूआत मुख्य कलिका में कीट के प्रकोप के कारण तथा वातावरण में तापमान में कमी होने वाला पाला पड़ने के कारण होता है।

लक्षण

अन्धता में पौधे की मुख्य कलिका कीट के कारण क्षतिग्रस्त हो जाती है तथा इसके पत्ते बड़े, चमड़े जैसे मोटे और गहरे रंग के हो जाते हैं।

उपचार

अन्धता की रोकथाम के लिए मुख्य कलिका को कीटों से क्षतिग्रस्त होने से बचाने के लिये कीटनाशक का प्रयोग करना चाहिए, उचित किस्म का चयन करना चाहिए।

दूध के साथ रेशम उत्पादन

भारत के कई इलाकों में सिंचाई की सुविधाएँ सीमित मात्रा में होने से 50 प्रतिशत से ज्यादा खेती बारानी है। यह सर्वविदित हैं कि पिछले कुछ वर्षों से अनियमित मानसून, अमौसमी बरसात, कठोर जलवायु तथा अन्य कई कारणों से बारानी खेती बिना भरोसे की तथा नुकसानमंद साबित हो रही हैं। इससे किसानों में निराशा आर्थिक नुकसान के कारण आत्महत्या तक हो रही हैं। इस स्थिति से उबरने का एक उपाय हैं खेती से जुड़े पूरक व्यवसाय शुरू करना और उन्हें ज्यादा प्रभावी तथा ज्यादा फायदेमंद बनाने हेतु दो या तीन पूरक व्यवसायों को एक साथ करना जैसे दुग्ध व्यवसाय और रेशमकीट पालन एक साथ करना जो एक-दूसरे के पूरक हैं।

मिल्क विथ सिल्क सिद्धांत की जरूरत और महत्व

दुग्ध उत्पादन हेतु पशुपालन तथा रेशम कीट पालन हेतु मलबेरी की काश्त करना एक-दूसरों के कई तरह से पूरक हैं। पशुओं को दूध उत्पादन हेतु पौष्टिक चारा चाहिए जो उन्हें मलबेरी की पत्तियों से मिलता हैं।

इसके अलावा मलबेरी की पत्तियाँ जायकेदार पाई गई। उनकी पाचकता 70 से 90 च पाई गई। उनमें खनिज लवण 25 प्रतिशत तक पाये गये जो दूध उत्पादन बढ़ाने हेतु तथा पशु के स्वास्थ्य एवं प्रजनन क्षमता बरकरार रखने हेतु अत्यंत उपयुक्त हैं।

एक गाय को उसके शरीर पोषण हेतु रोजाना 7 ग्राम कैल्शियम तथा 7 ग्राम फॉस्फोरस आवश्यक होता हैं जबकि मलबेरी की पत्तियों में करीब 1.8 से 2.4 प्रतिशत कैल्शियम तथा 0.14 से 0.24 प्रतिशत फास्फोरस पाया गया हैं। इसका मतलब हैं कि अगर मलबेरी की पत्तियाँ भरपूर मात्रा में दुधारू पशु को खिलाई जाये तो उनके दूध उत्पादन में बढ़ोत्तरी होगी इसके अलावा उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। एक वैज्ञानिक प्रयोग में पाया गया कि खुराक और मलबेरी को पत्तियां अनुक्रम 60:40 तथा 25:75 प्रतिशत इस अनुपात में खिलाने पर गायों का दूध उत्पादन 13.2 और 13.8 लीटर प्राप्त हुआ जबकि सिर्फ खुराक खिलाने पर 14.2 लीटर था। इसका मतलब यह हुआ की मलबेरी की पत्तियाँ खिलाने से दूध उत्पादन में ज्यादा कमी नहीं आई बल्कि खुराक की मात्रा कम लगने से उसके पोषण खर्च में कमी आई यानि मलबेरी की पत्तियां खिलाने से दूध उत्पादन का धंधा किफायती होता हैं।

रेशम कीटों को डाली हुई मलबेरी की जो पत्तियां बाकी रह जाती हैं वो पत्तियाँ, डालियाँ दुधारू पशुओं को खिलाया जाये तो वह बरबाद होने से बच जाता हैं। कुछ स्थानों पर रेशम की इल्लियों के अपशिष्ट पदार्थ पर नमक का घोल डालकर वह दुधारू पशुओं को खिलाया जाता हैं।

इस प्रकार रेशम कीट पालन तथा दुग्ध व्यवसाय का आपस में घनिष्ठ नाता जोड़कर दोनों ही व्यवसाय एक साथ एक ही खेत पर कर सकते हैं। इसमें जो मजदूर होते हैं उनका उत्कृष्ठ इस्तेमाल होता हैं. रेशम कीटों द्वारा कोष निर्माण होने पर उन्हें बेचकर पैसा प्राप्त होता हैं। इसके अलावा दुग्ध व्यवसाय से दूध खाद तथा बछड़े बेंचकर अधिक धन प्राप्त होगा और इस प्रकार किसान भाईयों को कमाई के दो स्त्रोत प्राप्त होंगे जिससे ज्यादा आर्थिक सम्पन्नता का लाभ होगा।

रेशम कीट पालन हेतु प्रशिक्षण, जानकारी, तांत्रिक मार्गदर्शन, रेशम उद्योग, संचालनालय से प्राप्त होते हैं तथा दुग्ध व्यवसाय के विषय में जानकारी प्रशिक्षण तथा तांत्रिक मार्गदर्शन हर जिले में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र, जिले के पशुपालन विभाग, कृषि विश्वविद्यालयों में स्थित पशुपालन एवं दुग्ध शास्त्र विभाग आदि जगह से प्राप्त कर सकते हैं।

ध्यान रहे, पूरक व्यवसाय के बिना किसान भाईयों की सही मायने में उन्नति नहीं हो सकती अत: पूरक व्यवसाय अवश्य अपनाएं और अपनी आर्थिक उन्नति हासिल करें.

कद्दूवर्गीय सब्जियां और कीट-बीमारियां

हमारे देश में मुख्य रूप से लौकी, करेला, कद्दू, खीरा, तरबूज, खरबूज, घीया, टिण्डा, परवल को ग्रीष्म व वर्षाऋतु में उगाते हैं. इन सब्जियों पर रोग व कीड़ों के आक्रमण से काफी नुकसान होता है यदि इन व्याधियों को समय पर नियंत्रित कर दिया जाये तो उत्पादन को 15-20 प्रतिशत तक बढ़ाया जा सकता है. कद्दूवर्गीय सब्जियों में लगने वाले प्रमुख रोग कीट व उनका नियंत्रण इस प्रकार किया जा सकता है.

कद्दूवर्गीय सब्जियों के प्रमुख कीट

कद्दू का लाल गिडार

लाल रंग का उड़ने वाला यह कीट शिशु पौधों की पत्तियों को खाकर छलनी जैसे छिद्र कर देता है जिससे पौधों की बढ़वार रुक जाती है फलों में भी यह छेदकर उन्हें नुकसान पहुंचाता है कीट नियंत्रण हेतु मैलाथियान 50 ई.सी. या ऐसीफेट 75 एस.पी. के 0.1 प्रतिशत घोल का छिड़काव करना चाहिए.

फलवेधक मक्खी

कीट का मैगट फलों एवं बेलों को खाते हैं जिससे बेल में गांठे बन जाती हैं. मादा मक्खी अपने अंडरोपक की सहायता से फलों की ऊपरी सतह में छिद्र करने के पश्चात अंडरोपण करती है जिससे वहां फल की सतह के ऊपर रस जमकर एक भूरे रंग का धब्बा बन जाता है और अंत में फल सड़ जाते हैं. कीट नियंत्रण हेतु मैलाथियान या डाइमिथियेट 30 ई.सी. का 0.1 प्रतिशत के घोल का छिड़काव करना चाहिए.

माहू

इस कीट के शिशु व वयस्क दोनों पत्तियों से रस चूसकर उन्हें कमजोर करते हैं साथ ही विशेष प्रकार का मधुस्राव पत्तियों पर छोड़ते हैं जिस पर बाद में फफूंद लग जाने से वह स्थान काला रंग का हो जाता है. यह कीट मोजेक रोग को रोगी पौधे से स्वस्थ पौधे तक फैलाते हैं नियंत्रण हेतु ऑक्सीडिमेटान मिथाइल 25 ई.सी. अथवा डाइमिथियेट 30 ई.सी. 1.0 मि.ली. प्रति लीटर

कद्दूवर्गीय सब्जियों के प्रमुख रोग

चूर्णीफफूंद या भभूतिया रोग

इस रोग का प्रकोप मुख्य रूप से खीरा, लौकी, खरबूज में होता है. रोग की प्रारंभिक अवस्था में पत्तियों की निचली सतह पर गोल-गोल सफेद धब्बे बनते हैं तथा रोग के उग्र होने पर ये धब्बे भूरे हो जाते हैं, पत्तियां सिकुड़ जाती हैं और पत्तियों की ऊपरी सतह पर सफेद चूर्ण बिखरा रहता है, बाद में पत्तियां सड़ जाती हैं आर्द्र व ऊष्ण जलवायु में यह रोग अधिक लगता है रोग नियंत्रण हेतु कवकनाशी-केराथेन 0.5 प्रतिशत अथवा सल्फेक्स 0.2 प्रतिशत का छिड़काव करना चाहिए.

मृदुरोमिल आसिता

लौकी, खीरा, खरबूज, करेला आदि में सर्वप्रथम पत्तियों के ऊपरी सतह पर पीले धब्बे बनते हैं तथा निचली सतह पर रूई जैसी वृद्धि दिखाई देती है. रोग नियंत्रण हेतु 0.3 प्रतिशत का छिड़काव 10 दिन के अंतर से करना चाहिए.

आल्टरनेरिया झुलसन रोग

आल्टरनेरिया झुलसा रोग की प्रारंभिक अवस्था में पत्तियों पर छोटे-छोटे धब्बे बनते हैं जो बाद में संख्या व आकार में बढ़कर मिलकर पूरी पत्ती को झुलसा देते हैं. नियंत्रण हेतु मेंकोजेब 0.3 प्रतिशत अथवा कार्बेन्डाजिम 0.1 प्रतिशत का छिड़काव करना चाहिए.

मोजेक

विषाणुजनित इस रोग में पत्तियों पर पीलापन, सिकुड़न, इंटरनोड का छोटा होना प्रदर्शित होता है इस रोग का संचरण माहू नामक कीट द्वारा होता है रोग से बचाव हेतु वाहक कीट का नियंत्रण आवश्यक है. अत: ऑक्सी मिथाइल डिमेटान 25 ई.सी. या डाईमिथियेट 30 ई.सी. 0.1 प्रतिशत का छिड़काव करें. प्रारंभिक अवस्था में रोगित पत्तियों को तोड़कर नष्ट करना चाहिए.

टी20 मुंबई लीग 2025 के टिकटों की बिक्री शुरू

मुंबई, एजेंसी। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने शनिवार को आधिकारिक तौर पर बहुप्रतीक्षित टी20 मुंबई लीग 2025 के लिए टिकटों की बिक्री शुरू की, जो 4 से 12 जून तक दो प्रतिष्ठित स्थानों – वानखेड़े स्टेडियम और डीवाई पाटिल स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। टिकटें डिस्ट्रिक्ट बाय जोमैटो पर ऑनलाइन उपलब्ध हैं, जिनकी कीमत लेवल 1 के लिए 100रुपये, लेवल 2 के लिए 300 रुपये और गरवारे पैवेलियन लेवल 2 के लिए 400 रुपये है। भारत के प्रमुख घरेलू फ्रेंचाइज-आधारित टी20 टूर्नामेंटों में से एक, टी20 मुंबई लीग, शहर की बेहतरीन क्रिकेट प्रतिभाओं की भागीदारी के साथ छह साल के अंतराल के बाद अपनी वापसी पर एक शानदार शो का वादा करती है। प्रशंसक भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, अजिंक्य रहाणे, शिवम दुबे और पृथ्वी शॉ सहित अंतरराष्ट्रीय सितारों को देखने के लिए उत्सुक हो सकते हैं। सीजन 3 में मुंबई के उभरते हुए खिलाड़ी जैसे मुशीर खान और अंगकृष रघुवंशी भी शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त, एमसीए वंचित बच्चों और बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) स्कूलों के छात्रों को भी आमंत्रित करेगा, जिससे उन्हें मैचों का लाइव अनुभव करने और बड़े सपने देखने की प्रेरणा मिलेगी। आठ टीमों के इस टूर्नामेंट में 23 रोमांचक मैच होंगे, जिसमें नॉर्थ मुंबई पैंथर्स (होराइजन स्पोर्ट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड), एआरसीएस अंधेरी (आर्क्स स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड), ट्रायम्फ नाइट्स मुंबई नॉर्थ ईस्ट (ट्रांसकॉन ट्रायम्फ नाइट्स प्राइवेट लिमिटेड), बांद्रा ब्लास्टर्स (पीके स्पोर्ट्स वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड), ईगल थाने स्ट्राइकर्स (ईगल इंफ्रा इंडिया लिमिटेड), आकाश टाइगर्स मुंबई वेस्टर्न सबअर्ब्स (वर्ल्ड स्टार प्रीमियर लीग एलएलपी), सोबो मुंबई फाल्कन्स (रोडवे सॉल्यूशंस इंडिया इंफ्रा लिमिटेड) और मुंबई साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स (रॉयल एज स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट) खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। लीग चरण के दौरान हर दिन चार मैच खेले जाएंगे, प्रत्येक स्थल पर दो। वानखेड़े स्टेडियम में दोपहर 2.30 बजे और शाम 7.30 बजे मैच खेले जाएंगे। सेमीफाइनल और फाइनल क्रमश: 10 जून और 12 जून को वानखेड़े स्टेडियम में खेले जाएंगे।

आईपीएल 2025 प्लेऑफ से पहले आरसीबी लिए खुशखबरी

बेंगलुरु, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के सबसे सफल गेंदबाज जॉश हेजलवुड कंधे की चोट से उबरने के बाद यहां लौट आए हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर जॉश हेजलवुड के वापसी की जानकारी देते हुए कहा कि उसके तेज गेंदबाज हेजलवुड प्लेऑफ में खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया से भारत वापस लौट आए है। हेजलवुड इस सत्र में आरसीबी के सबसे अच्छे गेंदबाज रहे हैं। उन्होंने 17.27 की औसत और 8.44 की इकॉनमी से 18 विकेट लिये है और आईपीएल 2025 में चौथे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। आरसीबी प्लेऑफ में पहुंच चुकी है, लेकिन शुक्रवार को सनराइजर्स हैदराबाद से साथ उच्च स्कोर वाले मुकाबले में हार के बाद उसके आईपीएल की अंक तालिका में शीर्ष दो में रहने की उम्मीद को झटका लगा था। ऐसा माना जा रहा है कि ऐसे समय में हेजलवुड की वापसी उसके लिए उपयोगी सिद्ध होगी। आईपीएल के एक सप्ताह के लिए स्थगित किये जाने पर वह ऑस्ट्रेलिया लौट गए थे। वहां वह रिहैब करने के साथ–साथ दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की तैयारी के तहत ब्रिस्बेन में अभ्यास भी कर रहे थे।

टीम इंडिया में सात साल बाद वापसी पर करुण की पहली प्रतिक्रिया, बोले-

बहुत समय से इस पल का इंतजार था

जयपुर, एजेंसी। करुण ने शनिवार को आईपीएल में दिल्ली से खेलते हुए पंजाब के खिलाफ 27 गेंद में 44 रन बनाए। दिल्ली ने जीत के लिए 207 रन का लक्ष्य 19.3 ओवर में हासिल कर लिया। 33 वर्षीय करुण ने 2024-25 सत्र में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया और इसका इनाम उन्हें भारतीय टीम में चयन के रूप में मिला।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम का एलान हो गया है। अगले महीने 20 जून से शुरू हो रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति ने 18 सदस्यीय टीम की घोषणा की। शुभमन गिल को नया टेस्ट कप्तान बनाया गया। वहीं, इस टीम में करुण नायर की भी वापसी हुई है। करुण सात साल बाद भारतीय टीम में चुने गए हैं। अगर वह मैदान पर उतरते हैं तो आठ साल बाद भारत के लिए कोई टेस्ट खेलते दिखेंगे। टीम में चुने जाने के बाद करुण की पहली प्रतिक्रिया भी सामने आई है। करुण ने खुशी जताते हुए कहा कि उन्हें इसका लंबे समय से इंतजार था।

करुण ने दिल्ली के लिए खेली मैच जिताऊ पारी

करुण ने शनिवार को आईपीएल में दिल्ली से खेलते हुए पंजाब के खिलाफ 27 गेंद में 44 रन बनाए। दिल्ली ने जीत के लिए 207 रन का लक्ष्य 19.3 ओवर में हासिल कर लिया। 33 वर्षीय करुण ने 2024-25 सत्र में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया और इसका इनाम उन्हें भारतीय टीम में चयन के रूप में मिला। उन्होंने भारत के लिए पिछली बार 2017 में खेला था। 2018 में इंग्लैंड सीरीज के लिए वह स्क्वॉड में तो थे, लेकिन एक भी मैच नहीं खेल पाए थे।

हम इस सत्र में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सके

करुण ने पंजाब के खिलाफ मैच के बाद कहा, शानदार लग रहा है और हम इस जीत के हकदार थे। हम इस सत्र में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सके, लेकिन इस मैच में हमने दिखा दिया कि हमारी टीम अच्छी थी लेकिन कुछ मैच खराब गए। अपने प्रदर्शन के बारे में उन्होंने कहा, मैं काफी रन बनाकर आईपीएल में आया था। आत्मविश्वास की कमी नहीं थी। पारी में बहुत जल्दी बड़े शॉट खेल रहा था जिस पर कोच ने अपना समय लेकर फिर आक्रामक खेलने की सलाह दी।

करुण को तिहरा शतक के बावजूद बाहर किया गया

करुण को 2017 में टेस्ट में तिहरा शतक जड़ने के बावजूद टीम से बाहर कर दिया गया था। वह भारत के लिए तिहरा शतक लगाने वाले सिर्फ दूसरे बल्लेबाज है। टेस्ट टीम में चयन के बारे में उन्होंने कहा, बहुत शुक्रगुजार हूं कि वापसी कर सका। खुशकिस्मत हूं कि यह मौका मिला। मुझे भी आप लोगों की ही तरह पता चला। मैं लंबे समय से इसका इंतजार कर रहा था। बहुत सारे बधाई के संदेश मिले हैं।

क्रिकेट में सबसे जबरदस्त वापसी में से एक

करुण की वापसी क्रिकेट में सबसे जबरदस्त वापसी में से एक है। भारत के लिए छह टेस्ट मैचों में उन्होंने 62.33 की औसत से 374 रन बनाए थे। इसमें एक तिहरा शतक शामिल है। इस दौरान सात पारियों में उनका स्कोर- 4, 13, 303*, 26, 0, 23 और 5 रन का रहा है। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में करुण ने 49.16 की शानदार औसत से 8211 रन बनाए हैं। इनमें 23 शतक और 36 अर्धशतक शामिल हैं। तिहरे शतक के बावजूद उन्हें दरकिनार कर दिया गया।

करुण को तैयारी का अच्छा मौका भी मिलेगा

इसके अलावा वह दो वनडे भी खेल चुके हैं। 2016 में उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ हरारे में दो मैच खेले थे। इसमें उन्होंने कुल मिलाकर 46 रन बनाए थे। करुण को इंग्लैंड सीरीज से पहले तैयारी का अच्छा मौका भी मिलेगा। वह इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो मैचों के लिए भारतीय-ए टीम का हिस्सा हैं, जिसकी शुरुआत 30 मई से कैंटबरी में होगी। भारत-ए टीम 13 से 16 जून तक बेकेनहैम में सीनियर टीम के साथ एक इंट्रा-स्क्वॉड मैच भी खेलेगी। इंग्लैंड में भारतीय टीम के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन निश्चित रूप से इस दाएं हाथ के बल्लेबाज को लंबे समय तक टीम इंडिया में बनाए रखेगी। खासकर ऐसे समय में जब विराट कोहली और रोहित शर्मा ने प्रारूप छोड़ दिया है, करुण अच्छी पारी खेलकर इनमें से एक की जगह पर कब्जा जमाने की कोशिश करेंगे।

रणजी में करुण के चार शतक

उनके शानदार प्रदर्शन ने विदर्भ को 2024–25 सत्र में रणजी ट्रॉफी जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रणजी ट्रॉफी में उन्होंने नौ मैचों में चार शतक की मदद से 863 रन बनाए। विजय हजारे ट्रॉफी (लिस्ट ए) में उन्होंने केवल आठ पारियों में 779 रन बनाये। इसमें पांच शतक शामिल थे। इन शानदार प्रदर्शनों ने भारतीय टीम में उनकी वापसी का रास्ता खोला।

शमी के लिए बंद हुए टेस्ट में वापसी के रास्ते!

अगरकर ने बताया उनका विकल्प कौन?

नई दिल्ली, एजेंसी। 'अमरोहा एक्सप्रेस' के नाम से मशहूर शमी 64 टेस्ट में 229 विकेट ले चुके हैं, लेकिन क्या अब वह इसमें इजाफा कर पाएंगे? फिलहाल तो ऐसा नहीं लगता। आइए जानते हैं इंग्लैंड दौरे पर शमी की कमी की भरपाई कौन सा गेंदबाज कर सकता है...

आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम का एलान हो चुका है। 18 सदस्यीय टीम में अनुभवी मोहम्मद शमी को नहीं चुना गया है। उनके बाहर होने की अटकलें काफी दिनों से लगाई जा रही थीं और चयन समिति ने शनिवार को इस पर मुहर भी लगा दी। वजह यह दी गई कि शमी टेस्ट मैच का कार्यभार संभालने के लिए फिट नहीं हैं और अब टेस्ट में उनके भविष्य पर सवाल उठने भी शुरू हो गए हैं।

शमी के लिए वापसी का रास्ता बेहद मुश्किल

'अमरोहा एक्सप्रेस' के नाम से मशहूर शमी 64 टेस्ट में 229 विकेट ले चुके हैं, लेकिन क्या अब वह इसमें इजाफा कर पाएंगे? फिलहाल तो ऐसा नहीं लगता। ऐसा माना जा रहा है कि उनके लिए वापसी के रास्ते बंद हो चुके हैं।

भारतीय टीम के पास फिलहाल जिस प्रकार की युवा पेस बैटरी है, चयनकर्ता उन्हें ही ज्यादा से ज्यादा मौका देना चाहते हैं। शमी ने जून 2023 के बाद से कोई टेस्ट नहीं खेला है। यानी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ केनिंग्टन ओवल में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल उनका पिछला टेस्ट मैच था। ऐसे में अब चयनकर्ता चाहते हैं कि शमी सिर्फ सीमित ओवर के क्रिकेट में ही खेलें। टेस्ट की तुलना में सीमित ओवर क्रिकेट में शमी का प्रदर्शन शानदार रहा है।

अगरकर ने शमी को लेकर कही यह बात

टीम का एलान करते वक्त अगरकर ने शमी को लेकर संकेत भी दिए थे। उन्होंने कहा, वह सीरीज के लिए फिट होने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन पिछले सप्ताह उसे थोड़ी चोट लगी और एमआरआई कराया गया। मुझे नहीं लगता कि वह पांचों टेस्ट के लिये उपलब्ध होने वाले थे। अभी वह इतना कार्यभार संभालने के लिए फिट नहीं हैं।

हमें उम्मीद थी कि वह कम से कम कुछ मैचों के लिए उपलब्ध होंगे, लेकिन अगर वह फिट नहीं है तो इंतजार कर पाना मुश्किल है।

टेस्ट में गेंदबाजी के लिए फिट नहीं हैं शमी

बीसीसीआई खेल विज्ञान और मेडिकल टीम का एक प्रतिनिधि इस सप्ताह लखनऊ में था और उन्होंने कहा है कि शमी का शरीर इस समय दिन के 15 से 20 ओवर डालने और 90 ओवर खेलने के लिए फिट नहीं है। अगरकर ने भी इसी बात पर जोर दिया था कि वनडे और टी20 में चार से अधिकतम 10 ओवर डालने और टेस्ट में दिन में कम से कम 15-20 ओवर डालने में काफी अंतर है और हाल फिलहाल में शमी जिस तरह की चोट से गुजरे हैं, वह टेस्ट के लिए तैयार नहीं हैं।

मैं सरफराज हूं इसलिए टीम से निकाल दिया? टीम इंडिया ने की नाइंसाफी

नई दिल्ली, एजेंसी। आमिर खान की 'पीके' जब आई थी, तब सिर्फ वो फिल्म ही हिट नहीं हुई थी, उस फिल्म के साथ-साथ वो डायलॉग भी हिट हुआ था- सरफराज धोखा नहीं देगा. टीम इंडिया के मामले में भी सरफराज वैसा ही निकला. उसने धोखा नहीं दिया. मगर क्या टीम इंडिया ने उसे धोखा दिया?

उसके साथ नाइंसाफी की? अगर नहीं तो फिर टीम से सरफराज को निकाला क्यों? जबकि, सरफराज का कसूर भी नहीं. वो तो ये मानकर बैठे थे कि सेलेक्टर्स बैठेंगे और उन्हें चुनेंगे. यही सोचकर अपनी तैयारियों को अंजाम भी दे रहे थे. लेकिन, 24 मई को जब टीम का ऐलान हुआ तो सरफराज का नाम उसमें नहीं आया .**सरफराज का टेस्ट डेब्यू रहा था धमाकेदार:** पिछले साल ही इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में सरफराज खान का टेस्ट डेब्यू हुआ था, जहां पहली 5 पारियों में से 3 में उन्होंने अर्धशतक जड़ा था. सरफराज के बल्ले का जोर टेस्ट क्रिकेट में यहीं नहीं थमा, इसके बाद उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में भी खेलने का मौका मिला, और कीवियों के खिलाफ भी शतक जड़ते हुए वो 150 रन की बड़ी पारी खेलने में कामयाब रहे. ऐसे प्रदर्शन के बाद किसी भी खिलाड़ी को टीमें और मौके देना चाहती है.

ऑस्ट्रेलिया जाने का मौका तो मिला मगर: घरेलू पिच पर इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली कामयाबी ने सरफराज को ऑस्ट्रेलिया जाने का मौका दिया. ये मौका मिला तो सभी को लगने लगा कि अब गाड़ी चल पड़ी. ऐसा लगना लाजमी भी था क्योंकि सरफराज ने कुछ गलत नहीं किया था. लेकिन, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाने के बाद सबकुछ वैसा नजर नहीं आया, जैसा देखने की तमन्ना थी. पिछली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में सरफराज अपनी बारी के इंतजार में पूरी सीरीज बेंच पर ही बैठे रह गए. मतलब, टीम इंडिया का ऑस्ट्रेलिया दौरा खत्म हो गया, मगर सरफराज खान को किसी भी मैच में खेलने का मौका ही नहीं मिला. वो बिना खेले ही वापस लौट आए.

टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद 'तीर्थ यात्रा' पर विराट-अनुष्का, बांके बिहारी के बाद राम लला के किए दर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा और क्रिकेटर विराट कोहली इन दिनों आध्यात्मिकता की राह पर चलते नजर आ रहे हैं। रविवार को यह स्टार जोड़ी अयोध्या पहुंची, जहां उन्होंने पवित्र हनुमान गढ़ी मंदिर में दर्शन किए। सोशल मीडिया पर उनके मंदिर दर्शन के वीडियो और तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं, जिनमें दोनों भक्ति में लीन दिखाई दे रहे हैं।

हनुमान गढ़ी में विराट-अनुष्का

वायरल वीडियो में अनुष्का शर्मा गुलाबी रंग के परिधान में सिर पर पल्लू लिए भगवान हनुमान जी के सामने प्रार्थना करती दिख रही हैं। वहीं, विराट कोहली सफेद रंग के कुर्ते में मंदिर के शांत वातावरण में भक्ति में डूबे नजर आए। दोनों की सादगी और श्रद्धा ने फैंस का दिल जीत लिया।

वृंदावन से अयोध्या तक का आध्यात्मिक सफर यह पहली बार नहीं है जब अनुष्का और विराट को आध्यात्मिक स्थानों पर देखा गया है। हाल ही में दोनों वृंदावन में श्री प्रेमानंद महाराज के आश्रम पहुंचे थे।

वहां महाराज के साथ उनकी बातचीत का वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में रहा। इस दौरान अनुष्का भावुक हो गई थीं और उनकी आंखों में आंसू साफ नजर आए। दोनों को भगवान का नाम जपते और ध्यान में डूबे हुए देखा गया था।

विराट का क्रिकेट से संन्यास

विराट कोहली ने हाल ही में 12 मई को एक भावुक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। उन्होंने अपने 14 साल के टेस्ट करियर को याद करते हुए कहा कि इस प्रारूप ने उन्हें जिंदगी के कई सबक सिखाए। इससे पहले विराट टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से भी संन्यास ले चुके हैं।

हालांकि, वह अभी भी आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के लिए खेल रहे हैं। उनकी टीम आईपीएल 2025 के प्लेऑफ में पहुंच चुकी है, और फैंस को उम्मीद है कि विराट इस बार अपनी टीम को पहला खिताब जिता सकते हैं।

प्रीमियर लीग:

लिवरपूल के मो सालाह को प्लेयर ऑफ द सीजन चुना गया

लिवरपूल, एजेंसी। मोहम्मद सालाह को 2024/25 प्रीमियर लीग का प्लेयर ऑफ द सीजन चुना गया है, क्योंकि उनके शानदार प्रदर्शन की बदौलत लिवरपूल ने लीग का खिताब जीता है। लिवरपूल के इस फॉरवर्ड ने अपने करियर में दूसरी बार यह पुरस्कार जीता है, इससे पहले उन्होंने 2017-18 में क्लब के साथ अपने सनसनीखेज डेब्यू अभियान के अंत में यह पुरस्कार जीता था। सालाह ने इस सत्र में रेड्स की खिताबी जीत में मदद करने के लिए अब तक के सबसे बेहतरीन व्यक्तिगत प्रीमियर लीग सत्रों में से एक का प्रदर्शन किया है, जिसे अप्रैल में चार मैच शेष रहते हासिल किया गया था। उन्होंने रविवार को क्रिस्टल पैलेस के खिलाफ घरेलू मैदान पर होने वाले अंतिम मुकाबले से पहले आर्ने स्लॉट की टीम के लिए शीर्ष पर पहुंचने में 28 गोल किये हैं और 18 असिस्ट किए हैं।

मिस्र के इस खिलाड़ी ने इन आंकड़ों के दम पर डिवीजन के सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी और क्रिएटर के रूप में शीर्ष स्थान हासिल किया है। 46 गोलों की भागीदारी के साथ उन्होंने 38 मैचों के सीजन में सबसे ज्यादा गोल और असिस्ट का रिकॉर्ड बनाया है, सालाह ओवरऑल प्रीमियर लीग रिकॉर्ड से सिर्फ एक पीछे हैं, जो एलन शियरर और एंड्रयू कोल के नाम है, दोनों ने 42 मैचों के अभियान में 47 गोल किए हैं। 32 की उम्र में, सालाह लगातार रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं। इस सीजन में वे 244 गोल के साथ लिवरपूल के ऑल-टाइम स्कोरर की सूची में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

टेनिस:

जोकोविच ने करियर का 100वां खिताब जीता

नई दिल्ली, एजेंसी। नोवाक जोकोविच ने ओपन एरा में 100वां खिताब जीतकर रोजर फेडरर और जिमी कोनर्स की बराबरी कर ली है। रोजर फेडरर 103 खिताब के साथ दूसरे और जिमी कोनर्स 109 खिताब के साथ सबसे ज्यादा अक्र खिताब जीतने वालों में टॉप पर हैं। जोकोविच ने जिनेवा ओपन के फाइनल में टूर्नामेंट के छठे सीड ह्यूबर्ट हुरकाज को 5-7, 7-6, 7-6 से हराया। शुरुआत में जोकोविच एक सेट से पिछड़ गए और उसके बाद उन्होंने वापसी की और अंत में खिताब अपने नाम किया। टेनिस में 1968 में ओपन एरा की शुरुआत हुई जब सभी खिलाड़ियों (एमेच्योर और प्रोफेशनल) को चारों ग्रैंड स्लैम में हिस्सा लेने की अनुमति दी गई। इसे ओपन एरा कहा जाता है।

20 अलग–अलग सीजन में ट्रॉफी जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने

जोकोविच ने इस खिताब के साथ 20 अलग-अलग सीजन में ट्रॉफी जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। वहीं इसमें ओलिंपिक गोल्ड मेडल भी शामिल है।

मोटर स्पोर्ट्स:

कुश मैनी ने रचा इतिहास, फॉर्मूला 2 रेस जीतने वाले पहले भारतीय बने

मोंटे कार्लो, एजेंसी। कुश मैनी ने सर्किट डी मोनाको में पोल पोजीशन हासिल करते हुए डैम्स लुकास ऑयल के लिए मोंटे कार्लो स्प्रिंट रेस में जीतकर इतिहास रच दिया। भारतीय ड्राइवर ने अल्पाइन अकादमी के प्रतिभाशाली साथी गैब्रिएल मिनी को पीछे छोड़ा, जो प्रेमा रेसिंग के लिए दूसरे स्थान पर रहे और इस प्रतिष्ठित स्थल पर रेस जीतने वाले पहले भारतीय ड्राइवर बने। पीवी और मोनाको में जीतने वाले पहले भारतीय बनने पर मैनी ने, यह बहुत बड़ा सम्मान और सपना सच होने जैसा है।

मैं डैम्स और मेरा समर्थन करने वाले सभी लोगों को धन्यवाद कहना चाहता हूं। हम विश्वास करते रहेंगे! मैनी ने सही शुरुआत की, लेकिन ल्यूक ब्राउनिंग टर्न 1 तक पहले स्थान से पांचवें स्थान पर गिर पड़े। उनके खराब गेटवेट के कारण गैब्रिएल मिनी उपर पीडब्ल्यू स्थान पर आ गए। मिराब्यू में, लिंडब्लैड ने तीसरे स्थान के लिए जैक क्रॉफोर्ड को पास देने का प्रयास किया, लेकिन दोनों के बीच संपर्क ने ब्राउनिंग को चौथे स्थान पर वापस जाने और अमेरिकी से आगे निकलने की अनुमति दी। कैम्पोस ड्राइवर तीसरे स्थान पर उलझन से बाहर आया, लेकिन टक्कर के कारण उसे 10 सेकंड की समय पनेल्टी दी गई। डीआरएस के कारण, मिनी रेस लीडर के पीछे थी, शुरुआती 10 लैप में अंतर 0.3 सेकंड का था, जबकि यह जोड़ी तीसरे स्थान पर मौजूद लिंडब्लैड से 8 सेकंड आगे थी। लैप 12 पर अंतर को बेअसर कर दिया गया जब जोशुआ डुएरकेन की एआईएक्स रेसिंग कार को ठीक करने के लिए सेफ्टी कार को तैनात किया गया।

बेलमकोंडा साईं श्रीनिवास स्टारर एक्शन थ्रिलर भैरवम का दमदार ट्रेलर हुआ रिलीज़

बेलमकोंडा साईं श्रीनिवास, मनोज मांचू और नारा रोहित अभिनीत बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर भैरवम के टीज़र, गाने और अन्य प्रचार सामग्री को शानदार प्रतिक्रिया के साथ सकारात्मक रिपोर्ट मिल रही है। विजय कनकमेडला द्वारा निर्देशित, श्री सत्य साईं आर्ट्स बैनर के तहत केके राधामोहन द्वारा निर्मित और पेन स्टूडियो के डॉ. जयंतीलाल गडा द्वारा प्रस्तुत यह फिल्म 30 मई को गर्मियों के सबसे बड़े आकर्षणों में से एक के रूप में रिलीज़ के लिए तैयार है। इस बीच, निर्माताओं ने फिल्म का थिएट्रिकल ट्रेलर लॉन्च किया। कहानी श्रद्धेय वाराही मंदिर के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक पवित्र स्थान है और जिसका ग्रामीणों के लिए गहरा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। जब राज्य के बंदोबस्ती मंत्री मंदिर की ज़मीन पर अपनी नज़रें गड़ाते हैं, और निजी और राजनीतिक लाभ के लिए उसका दोहन करने का इरादा रखते हैं, तो गाँव की सद्भावना खतरे में पड़ जाती है। जवाब में, तीन घनिष्ठ मित्र मंदिर और उसकी विरासत की रक्षा करने के लिए एक साथ आते हैं। उनका अटूट बंधन और साहस समुदाय के प्रिय को बचाने के लिए एक जोशीली लड़ाई को जन्म देता है। भैरवम की कहानी में मजबूत व्यावसायिक अपील है, और निर्देशक विजय कनकमेडला ने अपने मनोरंजक और गहन वर्णन के साथ इसे और भी आगे बढ़ाया है। शुरुआती फ्रेम से लेकर समापन शॉट तक, फिल्म एक आकर्षक और मनोरंजक अनुभव का वादा करती है। बेलमकोंडा साईं श्रीनिवास ने एक प्रभावशाली भूमिका में अपनी बहुमुखी प्रतिभा से प्रभावित किया है, खास तौर पर दो बेहतरीन क्षणों में: शिवा थांडवम का विद्युतीय दृश्य और अंत में एक उच्च-ऑक्टेन स्टंट सेगमेंट। मनोज मांचू ने एक दमदार, गहन प्रदर्शन किया है, जो पूरे समय भयंकर ऊर्जा से भरा हुआ है। नारा रोहित ने भी एक शक्तिशाली और आधिकारिक भूमिका में अपनी जगह बनाए रखी है। इन तीन दमदार कलाकारों को स्क्रीन स्पेस साझा करते हुए देखना एक ट्रीट है, और उनके किरदारों के बीच एक बढ़िया संतुलन बनाए रखने का पूरा श्रेय निर्देशक को जाता है। अदिति शंकर, आनंदी और दिव्या पिल्लई ने मुख्य महिला किरदारों के रूप में अपनी-अपनी भूमिकाओं में कहानी में आकर्षण जोड़ा है। हरि के वेदांतम की बेहतरीन सिनेमैटोग्राफी ने फिल्म की दृश्यात्मक अपील को और बढ़ा दिया है, जबकि श्री चरण पकाला का शानदार बैकग्राउंड स्कोर कहानी की नाटकीयता को और बढ़ाता है। प्रोडक्शन डिजाइनर ब्रह्मा कदली और एडिटर छोटा के प्रसाद ने फिल्म में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सत्यर्षि और टूम वेंकट द्वारा लिखे गए संवाद दमदार हैं। श्री सत्य साईं आर्ट्स और पेन स्टूडियोज के बेहतरीन प्रोडक्शन वैल्यूज के साथ, भैरवम ने दमदार ट्रेलर के साथ लोगों का ध्यान खींचा है। एक्शन और भावना का सहज सम्मिश्रण करते हुए, बेहतरीन ढंग से तैयार किया गया ट्रेलर एक सम्मोहक व्यावसायिक मनोरंजन का वादा करता है।

महाराष्ट्र में कोरोना की दस्तक, अभिनेत्री निकिता दत्ता और उनकी मां संक्रमित

पिछले कुछ दिनों में महाराष्ट्र में एक बार फिर कोरोना वायरस ने दस्तक दे दी है। मुंबई में भी संक्रमण के कुछ नए मामले सामने आए हैं। हाल ही में अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर ने ख़ुलासा किया था कि वह कोविड-19 से संक्रमित हो गई हैं। अब 'घराट गणपति' फेम अभिनेत्री निकिता दत्ता और उनकी मां भी कोरोना पॉजिटिव पाई गई हैं। निकिता ने इस खबर की पुष्टि ख़ुद सोशल मीडिया के ज़रिए की है। अभिनेत्री निकिता दत्ता हाल ही में अपनी नई फिल्म 'ज्वेल थीफ' को लेकर चर्चा में थीं, जो हाल ही में नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ हुई है। इस फिल्म में उन्होंने सैफ अली खान और जयदीप अहलावत के साथ स्क्रीन शेयर किया। फिल्म को लेकर उन्हें अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही थी, लेकिन इसी बीच एक चिंताजनक खबर सामने आई है। निकिता और उनकी मां की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। उन्होंने ख़ुद इसकी

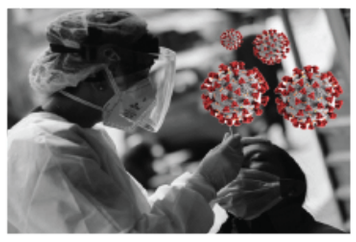

जानकारी सोशल मीडिया पर साझा की। रिपोर्ट की एक तस्वीर पोस्ट करते हुए निकिता ने लिखा, "मुझे और मेरी मां को कोरोना है। उम्मीद है कि यह लंबा नहीं होगा। एक छोटे से क्वारंटीन ब्रेक के बाद फिर मिलेंगे। सुरक्षित रहें।" उनकी इस पोस्ट पर फैंस और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोग जल्द स्वस्थ होने की कामनाएं कर रहे हैं। निकिता इस समय क्वारंटीन में हैं और स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे रही हैं। शिल्पा शिरोडकर ने दी हेल्थ अपडेटअभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर अब कोरोना से पूरी तरह स्वस्थ हो चुकी हैं। उन्होंने यह ख़ुशख़बरी अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के ज़रिए दी, जिसमें उन्होंने लिखा, "आख़िरकार मैं कोरोना से बाहर आ गई हूं। अब अच्छा महसूस कर रही हूं। आप सभी के प्यार और दुआओं के लिए धन्यवाद।" मुंबई में कोरोना मरीजों की संख्या बढ़कर 95 तक पहुंच गई है। इस बढ़ती संख्या को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से फिर से मास्क पहनने, सार्वजनिक जगहों पर सुरक्षित दूरी बनाए रखने और सतर्क रहने की अपील की है।

तन्वी द ग्रेट से शुभांगी की पहली झलक आई सामने, 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी फिल्म

अभिनेता अनुपम खेर की फिल्म तन्वी द ग्रेट की पिछले काफी समय से जबरदस्त चर्चा हो रही है। इस फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो जल्द खत्म होने वाला है। यह फिल्म 18 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म की हीरोइन शुभांगी हैं और इसके जरिए वह अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। अब तन्वी द ग्रेट से शुभांगी की पहली झलक सामने आ गई है। सामने आए पोस्टर में शुभांगी सेना अधिकारियों

के साथ नजर आ रही हैं। शुभांगी के अलावा जैकी श्रॉफ, अरविंद स्वामी, नासिर, पल्लवी जोशी, बोमन ईरानी और करण टैकर जैसे सितारे भी इस फिल्म में नजर आएंगे। तन्वी द ग्रेट इसलिए भी ज्यादा खास है, क्योंकि ओम जय जगदीश (2002) के बाद यह अनुपम के निर्देशन में बनी दूसरी फिल्म है। फिल्म की कहानी भी इन्होंने ही लिखी है। अनुपम इस फिल्म में अभिनय करते भी नजर आएंगे।

अभिनेत्री पायल घोष ने तुर्की यात्रा की रद्द, कहा- पीठ में छुरा घोंपना और पर्यटन एक साथ नहीं चल सकते

एक्ट्रेस पायल घोष ने अपनी तुर्की यात्रा को रद्द करने के कारणों का ख़ुलासा किया। उन्होंने कहा कि पीठ में छुरा घोंपना और पर्यटन एक साथ नहीं हो सकते। दरअसल, भारत ने पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर चलाया था। इसके बाद तुर्की और अजरबैजान ने खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया था। इसी वजह से भारतीयों में तुर्की के प्रति नाराजगी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान के संदर्भ में, जिसमें उन्होंने कहा था खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते, पायल ने कहा कि पीठ में छुरा घोंपना और पर्यटन एक साथ नहीं हो सकते। उन्होंने बताया कि उन्हें 30 लाख रुपये का अच्छा ऑफर मिला था, फिर भी उन्होंने तुर्की जाने से साफ इन्कार कर दिया। पायल घोष ने कहा, पैसा देश की इज्जत और गर्व से ऊपर नहीं हो सकता। मैं सबसे पहले एक भारतीय हूं, फिर एक एक्ट्रेस या आर्टिस्ट। जैसे हमारे माननीय प्रधानमंत्री ने कहा था कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते, वैसे ही पीठ में छुरा घोंपना और टूरिस्ट विजिट्स और एंटरटेनमेंट एक साथ नहीं हो सकता। पायल घोष ने कहा, अगर तुर्की ने ऐसे अहम वक्त में पाकिस्तान का साथ चुना, तो वे हम भारतीयों से या हमारे टूरिज्म से कमाई की उम्मीद नहीं कर सकते, चाहे वो सेलिब्रिटी के रूप में हो या आम पर्यटक के तौर पर। मैं अपने फैसले को लेकर बिल्कुल स्पष्ट हूं, इसलिए मैंने तुर्की जाने का प्लान रद्द कर दिया। भगवान की कृपा से मुझे जो चाहिए, वह सब मिला है। मैं पैसे के लिए अपने देश को कभी पीछे नहीं रख सकती। जय हिंद!

रेड गाउन में भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक ने कान में बिखेरा जलवा, लिखा- कभी सिर्फ एक सपना...

भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक ने इस साल कान फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर फ्रांस से अपनी कई कान 2025 की तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह लाल रंग के बीडेड गाउन में जलवा बिखरेती नजर आ रही हैं। नेहा मलिक ने रेड बीडेड गाउन के साथ ट्रांस्पेरेंट ग्लव्स पहनें। इस लुक के साथ उन्होंने सिंपल स्टोन नेकपीस पहना, जिसने उनके लुक में चार चांद लगाए। इस दौरान ने देसी स्टाइल में नमस्ते किया और हार्ट इमोजी बनाकर वहीं पर मौजूद सभी का आभार जताया। नेहा ने अपने इस कान लुक के साथ कैप्शन में लिखा, कभी सिर्फ एक सपना... अब एक पल जिसे मैं जी रही हूं। एक छोटे शहर की लड़की, जिसका कोई गॉडफादर नहीं, कोई शॉर्टकट नहीं, बस सपने जो विश्वास, कड़ी मेहनत और आंसुओं से बुने गए थे जिन्हें किसी ने नहीं देखा..। नेहा ने आगे लिखा, मैं रेड कार्पेट देखकर बड़ी नहीं हुई। मैं यह मानकर बड़ी हुई कि एक दिन, मैं उस पर चलूंगी और आज... मैं उस पर चली..। यह केवल ग्लैमर के बारे में नहीं है - यह सफर के बारे में है। नेहा ने आगे लिखा, ख़ुद पर विश्वास करने के बारे में जब मेरी मां और परिवार के अलावा कोई नहीं करता, जब दुनिया आपको जाने देने के लिए कहती है तब भी टिके रहने के बारे में। शायद एक दिन को आज के दिन में बदलने के बारे में।

सितारे जमीन पर का पहला गाना गुड फॉर नथिंग जारी, शंकर महादेवन ने दी आवाज

तारे जमीन पर जैसी आइकॉनिक फिल्म के स्पिरिचुअल सीक्वल सितारे जमीन पर का जबरदस्त और हंसाने वाला ट्रेलर देखने के बाद अब इसका पहला गाना रिलीज़ हो गया है. फिल्म का गाना गुड फॉर नथिंग दर्शकों में फिल्म को लेकर मस्ती और जोश को और भी बढ़ा रहा है. साल 2007 की सुपरहिट फिल्म के इस सीक्वल के ट्रेलर को पहले ही जबरदस्त प्यार मिल चुका है और अब ये नया गाना उस उत्साह को और मज़बूत करता दिख रहा है. गुड फॉर नथिंग गाने में आमिर खान कोच गुलशन के रोल में अपनी बास्केटबॉल टीम को ट्रेनिंग देते नजर आए. ये गाना देखने में बेहद मज़ेदार है. कोच गुलशन जहां अपनी एनर्जी से ट्रेनिंग में जान डालते हैं, वहीं उनकी टीम भी सीखते-सीखते मस्ती करती दिखती है. गाने में प्यार, हंसी, थोड़ी टक्कर, मेहनत और खुशी है, जो इसे देखने में पूरी तरह दिलचस्प बनाता है. ये गाना फैमिली एंटरटेनर के तौर पर फिल्म के मूड को सेट करता है और रिलीज़ को लेकर एक्साइटमेंट और भी बढ़ा देता है. गुड फॉर नथिंग गाने को शंकर महादेवन और अमिताभ भट्टाचार्य ने अपने मज़ेदार और जोशीले अंदाज़ में गाया है. गाने में नील मुखर्जी ने गिटार पर और शेल्डन डीसिल्वा ने बास पर कमाल का साथ दिया है, जो इसकी एनर्जी को और भी बढ़ाता है. आमिर खान प्रोडक्शंस गर्व के साथ पेश करता है 10 राइजिंग सितारे अरूष दत्ता, गोपी कृष्ण वर्मा, सम्वित देसाई, वेदांत शर्मा, आयुष भंसाली, आशीष पेंडसे, ऋषि शाहानी, ऋषभ जैन, नमन मिश्रा और सिमरन मंगेशकर. आर. एस. प्रसन्ना द्वारा निर्देशित, जिन्होंने पहले बैरियर तोड़ने वाली ब्लॉकबस्टर शुभ मंगल सावधान बनाई थी, अब आमिर खान प्रोडक्शंस के साथ सितारे जमीन पर में सबसे बड़े कोलैबरेशन के साथ वापसी कर रहे हैं. आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी सितारे जमीन पर में आमिर खान और जेनेलिया देशमुख लीड रोल में नजर आएंगे. फिल्म के गाने अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं और म्यूजिक शंकर-एहसान-लॉय ने दिया है. इसका स्क्रीनप्ले दिव्य निधि शर्मा ने लिखा है.

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक चंचल सिंह द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस बी-42 नोएडा, गौतमबुद्धनगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित कराकर, म. नं. 111 ओम एन्कलेव छपरौला गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित किया। RNI NO.: UPHIN/2021/82908
सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी कानूनी वाद/विवाद का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय में ही किया जाएगा। संपादकः चंचल सिंह मो. 9311597417